मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 88
बुधवार, 08 अक्टूबर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

मोदी सरकार 15 चयनित चीनी मिलों को कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट स्थापित करने के लिए सहयोग प्रदान करेगी

मुंबई, 07 अक्टूबर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने हाल ही में महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले के कोपरगांव में देश के पहले सहकारी मल्टी-फीड कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट के उद्घाटन के मौके पर स्पष्ट कर दिया कि देशभर में 15 चयनित चीनी मिलों को इसी मॉडल पर संयंत्र स्थापित करने के लिए मोदी सरकार सहयोग प्रदान करेगी। इससे न केवल देश के ऊर्जा क्षेत्र को नई दिशा मिलेगी, बल्कि किसानों और ग्रामीण उद्योगों के लिए नए अवसर भी खुलेंगे।

देश जानता है कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्षों से लंबित सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की और उसकी कमान सहकारिता के असल योद्धा अमित शाह को सौंपी, तो यह कदम भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के पुनर्जागरण का शंखनाद था। महज तीन-चार वर्षों में शाह की दूरदर्शी नीतियों और जमीनी दृष्टिकोण ने सहकारिता मंत्रालय को देश की ग्रामीण रीढ़ बना दिया है। जो क्षेत्र कभी जर्जर और मरणासन्न स्थिति में था, वही आज आत्मनिर्भर भारत की समृद्धि का केंद्र बन रहा है।

अहिल्यानगर में आरंभ हुआ यह सीबीजी प्लांट न केवल जैविक ऊर्जा के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर है, बल्कि यह दशार्ता है कि कैसे सहकार से समृद्धि का सपना अब धरातल पर उतर रहा है। आने वाले दिनों में यह प्लांट भारत को सीबीजी और पोटाश के आयात पर निर्भरता से मुक्त करेगा।

सहकारिता क्षेत्र कभी उपेक्षित होकर अस्तित्व के संकट से गुजर रहा था, लेकिन शाह की नीतियों ने इसे पुनर्जीवित किया है। उन्होंने इसे प्रशासनिक ढांचे से निकालकर अंत्योदय की राजनीति का वास्तविक माध्यम बना दिया ह्न जहाँ हर निर्णय समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुख-सुविधा और समृद्धि पहुँचाने के उद्देश्य से लिया गया। शाह के नेतृत्व में आज सहकारी चीनी मिलें, दुग्ध संघ, और किसान उत्पादक संगठन एक चक्रीय अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं। महाराष्ट्र का महर्षि शंकरराव कोल्हे सहकारी साखर कारखाना इसका उत्कृष्ट उदाहरण बन चुका है जहाँ गन्ने से इथेनॉल, इथेनॉल से सीबीजी और अवशेष से पोटाश तक हर चरण में कचरे से कमाई और संसाधनों का

पुनर्चक्रण सुनिश्चित हुआ है।

यह वही महाराष्ट्र है, जहाँ से सहकारी चीनी कारखानों की परंपरा शुरू हुई थी। आज वही भूमि एक बार फिर सहकारिता की नई औद्योगिक क्रांति की जन्मस्थली बन रही है। शाह का मानना है कि हर लाभकारी शक्कर कारखाना अब फल प्रसंस्करण जैसी नई गतिविधियाँ अपनाकर किसानों को अतिरिक्त लाभ दे सकता है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र को जो नीतिगत सहयोग मिला है, वह अभूतपूर्व है। हाल ही में कैबिनेट द्वारा शुरू किया गया दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के तहत किसानों की पूरी फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी जाएगी।

साथ ही, हाल के जीएसटी सुधारों के तहत किसानों के उपयोग की मशीनरी जैसे ट्रैक्टर, हारवेस्टर, ड्रिप सिंचाई और मधुमक्खी पालन उपकरणों पर जीएसटी को मात्र 5 प्रतिशत कर दिया गया है। यह निर्णय बताता है कि मोदी सरकार किसानों के लिए ईज ऑफ डूइंग एग्रीकल्चर को वास्तविकता में बदल रही है। अमित शाह जैसे दूरदर्शी नेता, जिन्हें जनता ह्यसहकारिता के शिल्पीह्न के रूप में जानने लगी है, ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत का भविष्य स्वदेशी, सहकारिता और आत्मनिर्भरता में निहित है। उन्होंने बार-बार इस विश्वास को बल दिया है कि यदि 140 करोड़ देशवासी संकल्प लें कि वे विदेशी वस्तुओं का उपयोग नहीं करेंगे, तो भारत न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि सांस्कृतिक आत्मगौरव के स्तर पर भी विश्व में प्रथम स्थान पर पहुँचेगा।

यह वही भावना है जो भारत के लोकनायक शिवाजी महाराज की परंपरा से निकली है। शाह के शब्दों में नहीं, बल्कि जनमानस की अनुभूति में आज यह गूंज रहा है ह्न कि शिवाजी महाराज के अनुयायी ही औरंगाबाद को संभाजीनगर और अहमदनगर को अहिल्यानगर नाम देने का साहस कर सकते हैं, औरंगजेब के अनुयायियों में यह हिम्मत नहीं है। आज अमृतकाल में जब देश 2047 के पूर्ण विकसित भारत की ओर अग्रसर है, तब यह स्पष्ट दिखता है कि मोदी जी के नेतृत्व और अमित शाह के मार्गदर्शन से भारत की सहकारी क्रांति अपने स्वर्ण युग की ओर बढ़ रही है ह्न जहाँ हर किसान उत्पादक बनेगा, हर गाँव आत्मनिर्भर बनेगा, और हर भारतीय स्वदेशी की शक्ति से समृद्ध भारत का भागीदार बनेगा।

कफ सिरप से बच्चों की मौत का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, सीबीआई जांच और कंपनियों के लाइसेंस रद्द करने की मांग

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में दूषित कफ सिरप पीने से कम से कम 14 बच्चों की मौत की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। अधिवक्ता विशाल तिवारी द्वारा दायर इस याचिका में देश भर में सभी दूषित कफ सिरप बैचों पर प्रतिबंध लगाने और उन्हें वापस मंगाने तथा सभी सिरप-आधारित फॉर्मूलेशनों की अनिवार्य जाँच की भी माँग की गई है। अन्य राज्यों में हुई ऐसी ही घटनाओं का हवाला देते हुए, तिवारी ने आग्रह किया कि जाँच सर्वोच्च न्यायालय के किसी पूर्व न्यायाधीश की निगरानी में कराई जाए। याचिका में शोक संतप्त

परिवारों को मुआवजा देने और दवा सुरक्षा अलर्ट की वास्तविक समय पर निगरानी के लिए एक राष्ट्रीय फामाकोविजिलेंस पोर्टल बनाने की मांग की गई है। इसमें संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन के अधिकार का भी हवाला दिया गया है, जिसमें कहा गया है यह अधिकार सुनिश्चित करता है कि उपचार के लिए बनाई गई कोई भी दवा मौत का कारण न बने। यह मामला छिंदवाड़ा में हुई उस त्रासदी से जुड़ा है जहाँ कोल्ड्रिफ कफ सिरप पीने से 15 साल से कम उम्र के 14 बच्चों की मौत हो गई थी। राज्य सरकार द्वारा किए गए परीक्षणों में पाया गया कि तमिलनाडु स्थित श्रीसन फार्मा प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित सिरप में डायएथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) पाया गया था - एक जहरीला औद्योगिक विलायक जो दवाइयों में इस्तेमाल के लिए प्रतिबंधित है।

शुरूआती रिपोर्टों से पता चला कि सिरप पीने के बाद कई बच्चों को गंभीर गुर्दे की विफलता का सामना करना पड़ा और कुछ ही दिनों में मरने वालों की संख्या चौदह हो गई।

ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने एलओसी पार आतंकी ठिकानों को किया तबाह, दिखाई ताकतः राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि देश के सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एकजुटता और रणनीतिक दूरदर्शिता की ताकत का प्रदर्शन किया, जिसके परिणामस्वरूप नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार आतंकवादी बुनियादी ढांचे को ध्वस्त किया गया। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान के नियंत्रण वाले इलाकों में आतंकी ढांचों को निशाना बनाया गया। इस हमले के बाद चार दिनों तक भीषण झड़पें हुईं, जो 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति के साथ समाप्त हुईं।

यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के 65वें

पाठ्यक्रम के संकाय और पाठ्यक्रम सदस्यों को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि बदलते भू-राजनीतिक माहौल और सुरक्षा संदर्भ गतिशील प्रतिक्रियाओं की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत सशस्त्र बलों को तकनीकी रूप से उन्नत युद्ध के लिए तैयार बल के रूप में परिवर्तित करने में लगा हुआ है, जो बहु-क्षेत्रीय एकीकृत अभियान में सक्षम हो।

राष्ट्रपति ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे सशस्त्र बलों ने एकजुटता और रणनीतिक दूरदर्शिता की ताकत का प्रदर्शन किया। सेना के तीनो अंगों की बेहतर प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप प्रभावी तालमेल स्थापित हुआ। मुर्मू ने सशस्त्र बलों के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा, नियंत्रण रेखा के पार और सीमा पार के क्षेत्रों में अंदर तक आतंकी बुनियादी ढांचे को ध्वस्त करने के सफल अभियान के पीछे यही तालमेल था।

राष्ट्रपति ने कहा कि एकजुटता को बढ़ावा देने की प्रक्रिया सैन्य मामलों के विभाग के गठन के साथ शुरू हुई, जिसके सचिव प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) हैं। उन्होंने कहा, मुझे यह जानकर खुशी हुई कि एकीकृत थिएटर कमांड और एकीकृत युद्धक समूहों की स्थापना के माध्यम से सशस्त्र बलों के पुनर्गठन के प्रयास चल रहे हैं। मुर्मू ने कहा कि सार्वभौमिक मूल्य हमारे राष्ट्रीय हितों को परिभाषित करने के मूल में हैं और भारतीय परंपरा ने हमेशा पूरी मानवता को एक परिवार के रूप में देखा है। उन्होंने कहा, संपूर्ण विश्व एक परिवार है, यह समृद्ध भावना वसुधैव कुटुम्बकम में व्यक्त होती है। सार्वभौमिक भाईचारा और शांति हमारी आस्था के मूलमंत्र रहे हैं। लेकिन हमने मानवता और हमारे राष्ट्र के लिए हानिकारक ताकतों को हराने के लिए युद्ध को लेकर तैयार रहने को भी महत्व दिया है। राष्ट्रपति ने महाभारत का हवाला देते हुए कहा कि इसमें उन मूल्यों की अभिव्यक्ति मिलती है जिन्हें हम संजोते हैं। उन्होंने कहा, युद्ध को टालने और सौहार्दपूर्ण समाधान पर पहुंचने के लिए हर संभव प्रयास किया गया। शांति के प्रयासों का नेतृत्व मुख्य पात्र कृष्ण ने किया, जिन्हें हम भगवान मानते हैं। जब युद्ध अपरिहार्य हो गया, तो कृष्ण ने सबसे महत्वपूर्ण योद्धाओं में से एक अर्जुन से कहा कि वे सभी संदेहों को दूर कर लें और बहादुरी से लड़ें।

बिहार चुनावः कांग्रेस आज करेगी उम्मीदवारों पर मंथन, राहुल गांधी भी वर्चुअली जुड़ेंगे

पटना, 07 अक्टूबर। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों के नामों पर निर्णय लेने हेतु 8 अक्टूबर (बुधवार) को बैठक करेगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में होने वाली यह बैठक वर्चुअल माध्यम से होगी, जिसमें सीईसी के विभिन्न सदस्य और पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी दक्षिण अमेरिकी देशों की यात्रा के दौरान ऑनलाइन शामिल होंगे।

सीईसी के अन्य सदस्य, जिनमें सोनिया गांधी, अधीर रंजन चौधरी, केसी वेणुगोपाल, अमी याज्ञिक, उत्तम कुमार रेड्डी, टीएस सिंह देव आदि शामिल होंगे। कांग्रेस राज्य में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और भाकपा, भाकपा (माले) सहित अन्य वामपंथी दलों के साथ गठबंधन में है। यह गठबंधन भाजपा, जद (यू), लोजपा (रालोद), हमस और अन्य दलों से मिलकर बने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को टक्कर देने के लिए तैयार है।

हालाँकि पार्टी ने अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ सीटों के बंटवारे की कोई घोषणा नहीं की है, लेकिन उन्होंने हाल ही में राहुल गांधी और राजद के तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राज्य के विभिन्न जिलों में अपनी मतदाता अधिकार यात्रा का समापन किया है। इससे पहले, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत ने कहा था कि बिहार आगामी विधानसभा चुनावों में पूरे देश को बदलाव की राह दिखाने के लिए तैयार है। चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। 243 विधानसभा सीटों के लिए 6 नवंबर और 11 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा, और मतगणना 14 नवंबर को होगी। अंतिम सूची में कुल मतदाताओं की संख्या 7.42 करोड़ है, जबकि इस वर्ष 24 जून तक 7.89 करोड़ मतदाता थे। चुनाव आयोग की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि मसौदा सूची से 65 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं, और 1 अगस्त, 2025 तक मसौदा सूची में मतदाताओं की संख्या 7.24 करोड़ हो गई है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करेः 9199355950

निठारी हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली। निठारी सीरियल हत्याकांड से जुड़े एक किशोरी की हत्या और बलात्कार के मामले में अपनी दोषसिद्धि को चुनौती देने वाली सुरिंदर कोली की क्यूरेटिव याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की पीठ ने कहा कि चूँकि कोली को उन्हीं तथ्यों और समान साक्ष्यों के आधार पर 12 अन्य मामलों में बरी कर दिया गया था, इसलिए वह चुनौती दिए गए मामले में भी बरी किए जाने का हकदार है।

बदलाव एवं विकास की राह ताकता बिहार चुनाव

-ललित गर्ग

-बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। मतदान की तिथियों की घोषणा के साथ ही लोकतंत्र का यह महायज्ञ आरंभ हो चुका है, जिसमें करोड़ों मतदाता दो चरणों में दिनांक 6 और 11 नवंबर को अपने मत के माध्यम से राज्य की दिशा और दशा दोनों तय करेंगे। इस बार का चुनाव सिर्फ सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि विचार और व्यवस्था परिवर्तन का चुनाव है। बिहार लंबे समय से जिस पिछड़ेपन, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और अराजकता की बेड़ियों में जकड़ा रहा है, उससे मुक्ति का यह अवसर है। 14 नवंबर को मतगणना के साथ बिहार में नई सरकार की तस्वीर सामने होगी, लेकिन राज्य में सियासत जिस तरह आकार ले रही है, मतदान तक कई उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। बिहार के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो यह धरती कभी बुद्ध की करुणा और चाणक्य की नीति की जननी रही है, लेकिन आज वही बिहार कानून व्यवस्था की विफलताओं, जातिवाद की जंजीरों और विकासहीनता

की विवशताओं से जूझ रहा है। सड़कें टूटी हैं, शिक्षा व्यवस्था जर्जर है, चिकित्सा तंत्र कमजोर है, और रोजगार की तलाश में हर साल लाखों युवा अपनी मातृभूमि छोड़ने को विवश हैं। ऐसे में यह चुनाव एक सामाजिक जागृति का अवसर भी है, जब मतदाता केवल चेहरे नहीं, चरित्र और चिंतन को वोट देंगे।

राजनीतिक दल अपनी-अपनी घोषणाओं, वादों और दृष्टि-पत्रों के साथ मैदान में हैं। कोई नया बिहार बनाने का नारा दे रहा है, तो कोई ह्लविकसित बिहारह्व का। लेकिन सवाल यह है कि क्या घोषणाओं से बिहार का भाग्य बदलेगा, या फिर यह चुनाव भी परंपरागत नारों और जातीय समीकरणों के हवाले हो जाएगा? यह समय है कि जनता दलों से नहीं, दिशा से जुड़ाव करे; नारे से नहीं, नैतिकता से संवाद करे। पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार बिहार का चेहरा बने हुए हैं और यह चुनाव भी अलग होता नहीं दिख रहा। मूल सवाल यही है कि क्या नीतीश को एक और मौका जनता देगी? राज्य में एनडीए ने उन्हें आगे कर रखा है और महागठबंधन से सीधी टक्कर मिल रही है। 2005 से नीतीश कुमार बीच के कुछ समय को छोड़ कर सत्ता पर काबिज हैं। इस दौरान उन्होंने 9 बार शपथ ली और कई बार पाला बदला। गठबंधन के साथी बदलते रहने और कम सीटों के बावजूद मुख्यमंत्री वही बने। इसके पीछे उनकी अपनी सुशासन बाबू की छवि भी है, लेकिन अब इसे चुनौती मिल रही है। पहली बार नीतीश सरकार को भ्रष्टाचार के आरोपों में घेरने की कोशिश हो रही है। वहीं, कानून-व्यवस्था का मामला भी चिंता बढ़ाने वाला है। हाल के महीनों में पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका और हॉस्पिटल में घुसकर गैंगस्टर की हत्या ने सरकार की परेशानी बढ़ाई। नीतीश और भाजपा ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हर चुनाव में जंगलराज की तरह पेश किया, पर अब सवाल विपक्षी दल पूछ रहे हैं। यह चुनाव ऐसे अनेक सवालों के घेरे में हैं।

विकास पर जोर के बावजूद बिहार की राजनीति में जाति एक निर्णायक कारक है। हर पार्टी की चुनावी रणनीति समुदाय आधारित लामबंदी से गहराई से प्रभावित है। दोनों प्रमुख गठबंधन एनडीए ओर महागबंधन सीट बंटवारे की बातचीत में उलझे हैं। 243 विधानसभा सीटों में से गठबंधन में से किस पार्टी को कितनी सीटें मिलेंगी और किसे कोन-सी सीट मिलेगी, यह विवाद का विषय है। पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए और महागठबंधन के बीच सीधा मुकाबला हुआ था- इस बार समीकरण में प्रशांत किशोर की जन सुराज भी है, जो भ्रष्टाचार ओर पलायन का मुद्दा उठाए हुए हैं। कुछ और भी नये राजनीतिक दल मैंदान में हैं। बिहार की सबसे बड़ी चुनौती कानून व्यवस्था और प्रशासनिक सुदृढ़ता की है। आए दिन होने वाली अपराध घटनाएं और अराजकता ने राज्य की छवि को धूमिल किया है। एक ऐसा शासन चाहिए जो भयमुक्त समाज दे सके, जहां नागरिक सुरक्षित महसूस करें, जहां अपराध पर अंकुश हो और न्याय त्वरित मिले। विकास तभी संभव है जब विश्वास का माहौल बने।

बिहार की राजनीति में इस बार कई नए दल और कई पुराने चेहरे नए दल के साथ दिखाई देने वाले हैं। प्रशांत किशोर की पार्टी ह्यजनसुराजह्न, तेजप्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल, उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा और पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी पहली बार बिहार विधानसभा के चुनाव में नजर आने वाली है। ऐसे में सभी दल चुनावी जंग में ताल ठोकने को तैयार है। मगर देखने वाली बात ये होगी कि कौन सी पार्टी अपना कितना दम दिखा पाती है? क्या प्रशांत किशार की पार्टी उनके दावे के अनुसार प्रदर्शन करती है या फुस्स साबित होती है, वहीं, तेजप्रताप यादव अपनी पार्टी बनाकर तेजस्वी यादव को कितना झटका देते है। यह सब अब चुनाव के परिणाम पर तय होगा। साथ ही यह भी तय होगा कि कौन सी पार्टी अपना अस्तित्व बचा पाती है कौन नहीं? यह चुनाव बिहार की आत्मा को झकझोरने वाला क्षण है। यहां की जनता अब सिर्फ रोटी-कपड़ा-मकान नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, और सम्मानजनक जीवन चाहती है। यह चुनाव इस आकांक्षा का प्रतीक है। जो भी दल इस वास्तविकता को समझेगा, वही बिहार का भविष्य गढ़ पाएगा।

आज बिहार के मतदाता अधिक सजग एवं विवेकशील हैं। वे जानते हैं कि सत्ता परिवर्तन से अधिक जरूरी है संस्कृति परिवर्तन, राजनीतिक शुचिता और प्रशासनिक जवाबदेही। यह चुनाव केवल विधानसभा की सीटें तय नहीं करेगा, बल्कि यह तय करेगा कि क्या बिहार अपनी पुरानी परछाइयों से निकलकर प्रकाश की ओर बढ़ पाएगा। क्योंकि बिहार में पिछड़ेपन, भ्रष्टाचार, अराजकता की चर्चा होती रहती है, इसलिये यह स्वाभाविक है कि राज्य का विकास, कानून व्यवस्था एवं रोजगार का मुद्दा भी पक्ष-विपक्ष के बीच एक प्रमुख चुनावी मुद्दा होगा। हालांकि पिछली सरकारों के दौर में बिहार बदहाली के दौर से काफी निकल चुका है और विगत दो दशक में यहां की स्थितियां काफी बदली है। इस बार बिहार चुनाव बदला-बदला होगा, इसकी आहट उन घोषणाओं से भी मिलती है, जो नीतीश सरकार ने की हैं। महिलाओं, दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए पहली बार इस पैमाने पर ऐलान किए गए हैं। वहीं आरजेडी और कांग्रेस ने पूछा है कि इसके लिए पैसा कहां से आएगा? जनता वादों पर भरोसा करती है या बदलाव संग जाती है, जवाब मिलने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

वैसे, बिहार चुनाव का इतना ज्यादा महत्व कोई नई बात नहीं है। विगत दो दशक से एक विशेष क्रम बना हुआ है। लोकसभा चुनाव के अगले साल बिहार विधानसभा के चुनाव होते हैं। केंद्र में जो पार्टी विपक्षी गठबंधन में रहती है, वह बिहार विधानसभा चुनाव में अपना पूरा जोर लगा देती है, जिससे चुनाव कुछ ज्यादा रोचक एवं उत्तेजक बन जाता है। सियासी स्थिति का आकलन करें, तो बिहार में लगभग बीस साल शासन के बावजूद जनता दल यूनाइटेड या नीतीश कुमार की ताकत को कोई भी खारिज नहीं कर रहा है। भाजपा पूरी मजबूती से नीतीश कुमार के साथ खड़ी है, ताकि सत्ता बनी रहे। दूसरी ओर, राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व वाला महागठबंधन अभी नहीं, तो कभी नहीं वाले अंदाज में जोर लगा रहा है। लोकतंत्र की इस परीक्षा में बिहार एक नई इबारत लिख सकता है-एक ऐसा बिहार जो शिक्षित हो, संगठित हो, और सजग हो। जहां राजनीति सेवा का माध्यम बने, संघर्ष का नहीं, जहां सत्ता संवेदना की भाषा बोले, स्वार्थ की नहीं। बिहार का यह जनादेश वास्तव में इतिहास रच सकता है-यदि जनता जाति नहीं, न्याय को चुने, वादा नहीं, विश्वास को चुने। यह चुनाव बिहार के भाग्य परिवर्तन की कुंजी बन सकता है-बशर्ते हम सब मिलकर कहें- अब की बार, सुशासन और सुधार।

जहरीली कोल्ड्रिफ कफ सिरप का मामला-सांप निकल गया अब केवल लाठी कुटी जा रही है!

अशोक भाटिया

मध्य प्रदेश में कोल्ड्रिफ कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत का मामला लगातार तूल पकड़ रहा है। सिर्फ छिंदवाड़ा में अब तक 15 बच्चों की जान जा चुकी है। वहीं, अब एमपी सरकार ने मामले की जांच के लिए स्पेशल इंवेस्टिगेटिव टीम (रक्क्ळ) का गठन किया है।जहरीले कफ सिरप का असर सीधे बच्चों की किडनी पर देखने को मिला। किडनी फेल होने से बच्चों की मौत हो गई। बच्चों की दवाईयों में कोल्ड्रिफ कफ सिरप लिखने वाले सरकारी डॉक्टर प्रवीण सोनी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। डॉक्टर के खिलाफ लापरवाही का केस दर्ज किया गया है।

तमिलनाडु के ड्रग डिपार्टमेंट के अधिकारियों की जांच में श्री सन कंपनी की कांचीपुरम यूनिट में हुई जांच में खुलासा हुआ है कि कोल्ड्रिफ कफ सिरप में 48।6% डाईथाइलीन ग्लॉयकाल था। यह एक जहरीला केमिकल है।केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने रविवार को कफ सिरप से मौत के मामलों को लेकर राज्यों से हाईलेवल मीटिंग की। उस दौरान उन्होंने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि दवा बनाने के नियम का पालन करवाएं। बैठक में तय हुआ कि 19 दवा कंपनियों की स्पेशल जांच होगी, निगरानी बढ़ाई जाएगी और राज्यों के बीच मदद और जानकारी का आदान-प्रदान मजबूत होगा। डॉ। राजीव बहल ने कहा कि बच्चों को बिना जरूरत खांसी का सिरप नहीं दी जानी चाहिए क्योंकि इनके फायदे कम और खतरे ज्यादा होते हैं।इधर, सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (उञ्रउड) कोल्ड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली कंपनी श्री सन फार्मास्युटिकल्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की तैयारी में है। इस सिरप से मध्य प्रदेश में 16 बच्चों की मौत हो चुकी है।इन सभी की उम्र 1-5 साल के बीच थी। हालांकि प्रशासन ने अब तक सिर्फ 11 मौतों की पुष्टि की है।

लोगों का कहना है कि सरकारी डिपार्टमेंट कोई घटना यां दुर्घटना होने पर ही क्यों जगती है ।जब दवा , दवा कंपनी से बाहर निकलती है तभी उसके गुण धर्मो को क्यों नहीं परखा जाता । समाचार पत्रों में अक्सर पढ़ा जाता है कि कुछ डॉक्टर कमीशन खोरी के चक्कर बिना परखी हुई दवा लिख देते है और इस प्रकार मरीजों को या तो फायदा नहीं होता यां दुर्घटना हो जाती है तथा दवा लिखने के बाद डॉक्टर किसी विशेष या अपने प्रिय मेडिकल स्टोर से दवा खरीदने की सलाह भी देते है ।दूसरी ओर, हमारे देश में, एफडीए, केवल नाम के लिए, जॉनसन एंड जॉनसन जैसी शक्तिशाली कंपनी पर महेश जगाड़े के कानूनी थप्पड़ को छोड़कर, महाराष्ट्र में एफडीए के पास पर्याप्त दवा निरीक्षक भी नहीं हैं और मुंबई क्षेत्र में कई दवा कंपनियां हैं, लेकिन उन्हें विनियमित करने के लिए पर्याप्त कर्मचारी नहीं हैं। जो कंपनियां पकड़ी गईं, जिनकी जान इस तरह की फर्जी दवाओं के कारण चली गई, उन्हें 'सब कुछ शांत है' के बाद ड्रग्स बनाने का लाइसेंस दिया गया, ताकि ये कंपनियां फिर से वही ड्रग्स बनाने के लिए तैयार हो जाएं। अभी जो कंपनी है वो तमिलनाडु में है, और उसका कुछ और होगा इसकी कोई गारंटी नहीं है। अभी भी जब मिलावट का पता चला तो सैंपल टेस्ट करने का 'दिखावा' किया गया और संबंधित एजेंसी ने संबंधित कंपनी को सर्टिफिकेट भी दिया कि सब ठीक है। अफवाहें हैं कि मिलावटी दवाओं के नमूनों, जिसके कारण कई बच्चों की मौत हो गई, का बिल्कुल भी परीक्षण नहीं किया गया था। गलत दवाओं का परीक्षण किया गया। यह प्रमाणित किया गया था कि सब कुछ सही था। नतीजतन, मौतों की संख्या में वृद्धि हुई। लगभग सौ साल पहले संयुक्त राज्य अमेरिका में इस प्रकार के सौ लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। पिछले कुछ वर्षों में हमारे देश में ऐसी मिलावटी दवाओं के कारण होने वाली मौतों की संख्या इससे दोगुनी है। फिर भी कोई नहीं चाहता कि स्थिति में सुधार हो।

चार पैसे बचाने के लिए मनुष्यों, विशेष रूप से बच्चों में खांसी की दवा बनाने के लिए कारों के ब्रेक सिस्टम में उपयोग किए जाने वाले समाधान का क्या प्रभाव होगा? यदि किसी समाज में नशीली दवाओं में मिलावट की ऐसी घटनाएं अक्सर होती रहती हैं, तो उस क्षेत्र के शासन और नियामक प्रणाली के बारे में क्या कहा जा सकता है? मध्य प्रदेश और उसके आसपास खांसी की दवा से 14-15 बच्चों की मौत एक बार फिर इस समस्या को रेखांकित करती है। 'एक बार फिर' कहने का कारण यह है कि उन दवाओं में मिलावट के कारण कई मौतों के इतिहास के बावजूद, वर्तमान उसी दिशा में जाता है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कोई प्रयास नहीं किया जाता है। जम्मू-कश्मीर से लेकर राजधानी दिल्ली, आर्थिक राजधानी मुंबई तक, इस तरह के कई कफ सिरप मिलावट ने पिछले कुछ वर्षों में कई मौतों का कारण बना है, और यहां तक कि अफ्रीकी गाम्बिया और उज्बेकिस्तान जैसे देश, जो दुनिया के सबसे पिछड़े देश हैं, ने भी भारतीय दवाओं को वापस बुला लिया है या उन पर प्रतिबंध लगा दिया है, लेकिन हमारे फार्मा उद्योग के फलने-फूलने के कोई संकेत नहीं हैं। हमारे पास कोई नियंत्रण प्रणाली नहीं है। विकसित देश का सपना देखने वाले देश में ऐसी व्यवस्था विकसित करने की आकांक्षा नहीं होती क्योंकि यह शासकों की प्राथमिकता नहीं होती है।इस सच्चाई को ध्यान में रखते हुए खांसी की इस दवा की भयावह हकीकत को समझना जरूरी है।

ग्लिसरीन को खांसी की दवाओं में उनकी आवश्यक चिपचिपाहट और मिठास के लिए जोड़ा जाता है। अच्छी गुणवत्ता वाले ग्लिसरीन के लिए भुगतान करना पड़ता है। इसे बचाने के लिए, कुछ माध्यमिक दवा निमार्ता इन खांसी की दवाओं में डायथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) मिलाते हैं, जो आमतौर पर कारों के ब्रेक सिस्टम में और कारों में विभिन्न रसायनों के जमने से रोकने के लिए बहुत ठंडे वातावरण में उपयोग किए जाते हैं। यदि यह शरीर में प्रवेश करता है, तो यह फेफड़ों की विफलता या तंत्रिका तंत्र पर गंभीर प्रभाव पैदा कर सकता है। इस पर अब तक ध्यान नहीं दिया गया है।खांसी में मिलावट के दुष्प्रभावों का पहली बार 1930 के दशक में संयुक्त राज्य अमेरिका में मानकीकरण की वैज्ञानिक प्रक्रिया विकसित होने से पहले पता चला था, और उस देश में 105 लोगों की मृत्यु हो गई थी। एक बार उपलब्ध होने के बाद, दवा को पूरी दुनिया में आसानी से बेचा जा सकता है।इसके लिए अन्य देशों से अलग

दरअसल फामाकोलॉजी एक बहुत ही जटिल विज्ञान है और इसमें 100 प्रतिशत सटीकता का अभाव है। अगर चिकित्सा में लापरवाही है और एक ऐसा समाज जो मानता है कि कुछ दवाओं का कोई दुष्प्रभाव नहीं है, तो ऐसी लापरवाह कंपनियों के गले में फंदा लगने का खतरा है। वहाँ हैं। जिस तरह कंपनियां चिकित्सा के विज्ञान का पालन नहीं करती हैं, उसी तरह नागरिक भी करते हैं। किसी भी फार्मासिस्ट स्टोर पर जाएं और किराने की तरह दवाएं खरीदें; उन्होंने कहा कि विकसित देशों में फार्मेसियों की तरह हमारी तरह कोई अवधारणा नहीं है। जब तक डॉक्टर द्वारा निर्धारित नहीं किया जाता है तब तक दवाएं उपलब्ध नहीं होती हैं। हमने इसे विनियमित करने की कोशिश की है। लेकिन इसका पालन कौन करता है? यह माल का उपभोग करने में फार्मासिस्टों के हित में लापरवाह और लापरवाह और उपभोक्ता के तथाकथित तत्काल परिणामों की आवश्यकता का एक संयोजन है।

वास्तव में, सर्दी अक्सर बिना दवा के ठीक हो जाती है। चिकित्सा पेशेवरों का कहना है कि सर्दी की दवा एक सप्ताह में प्रभावी होती है, लेकिन बिना दवा के सर्दी ठीक होने में सात दिन लग जाते हैं। लेकिन फिर भी, हमारे लिए ऐसी बीमारियों के लिए डॉक्टर के पास जाना आम बात है, और इससे भी बदतर, अपने दम पर गोलियाँ और बिस्कुट जैसी दवाएं खरीदना। अर्क और पाउडर लेने की प्रक्रिया में हाल ही में एक बढ़ती प्रवृत्ति रही है। कोरोना महामारी में कई लोगों ने ऐसी दवाएं देकर कई लोगों की जान ले ली जो बीमारी के खिलाफ कारगर साबित नहीं हुई हैं। विज्ञान की कसौटी पर मुंह मोड़ने वाले समाज में क्या अलग हो सकता है?

प्रथम विश्व युद्ध के अंत में, जब ब्रिटिश दवा कंपनियों ने घातक जैविक/रासायनिक दवाओं का उत्पादन किया, तो यह सवाल उठा कि उनका सुरक्षित परीक्षण कहां किया जाएगा, क्योंकि ऐसे समय में जब ऐसे हथियारों का परीक्षण करना होगा, उन्होंने लोगों को मारने के लिए भारत को एक सुरक्षित स्थान के रूप में चुना। दूसरी ओर, एलोपैथी आधारित दवा कंपनियों के विषाक्तता प्रयोग बेरोकटोक जारी हैं।

रायबरेली से सुप्रीम कोर्ट तक, कांग्रेस ने दलित उत्पीड़न को बनाया बड़ा चुनावी मुद्दा

-अजय कुमार

बिहार के चुनावी मौसम में इस बार हवा कुछ अलग बह रही है। जहां एक तरफ विकास, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं की बातें जोर पकड़ रही हैं, वहीं रायबरेली में दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की पीट-पीटकर हत्या और सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई पर जूता उछालने की घटना अब बिहार विधानसभा चुनाव का बड़ा मुद्दा बनने जा रही हैं। कांग्रेस पार्टी इन घटनाओं को हाथों-हाथ लेकर दलित और पिछड़े वर्ग के वोटरों को साधने की पूरी तैयारी में जुट गई है। पार्टी के नेता कहते हैं कि ये सिर्फ दो घटनाएं नहीं, बल्कि भाजपा शासित राज्यों में दलितों पर हो रहे अत्याचारों का जीता-जागता सबूत हैं।सबसे पहले बात करते हैं रायबरेली की उस दर्दनाक घटना की, जो पूरे देश को झकझोर रही है। 2 अक्टूबर 2025 को रायबरेली के ऊंचाहार इलाके में 38 साल के दलित युवक हरिओम वाल्मीकि को गांव वालों ने चोरी के शक में इतनी बेरहमी से पीटा कि उसकी जान चली गई। हरिओम अपनी ससुराल ईश्वरदासपुर आया था, लेकिन गांव वालों ने उसे ड्रोन चोर समझ लिया। दो घंटे तक लाठी-डंडों, बेल्ट और लात-घूंसों से पिटाई होती रही। हरिओम कराहते हुए बार-बार 'राहुल गांधी-राहुल गांधी' का नाम ले रहा था, मानो मदद की गुहार लगा रहा हो। हैरानी की बात यह है कि पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन हरिओम को अस्पताल ले जाने की बजाय गांव वालों के हवाले छोड़ दिया। हरिओम की पत्नी का कहना है कि पुलिस ने उसे मरने के लिए छोड़ दिया। किसी ने इस पूरी घटना के तीन वीडियो बना लिए, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं। वीडियो में हरिओम की चीखें और उसकी आखिरी सांसें साफ सुनाई दे रही हैं, जो किसी भी इंसान का कलेजा चीर सकती हैं। पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है, लेकिन परिवार का आरोप है कि असली दोषी अब भी आजाद घूम रहे हैं। हरिओम के पिता गंगादीन ने बताया कि उनका बेटा मजदूरी करता था और परिवार की कमर टूट गई है। इस घटना ने एक बार फिर मॉब लिंचिंग के पुराने घावों को कुरेद दिया है, जहां दलित और कमजोर वर्ग के लोग आसानी से निशाना बन जाते हैं। कांग्रेस ने इसे समाज पर कलंक बताया और भाजपा सरकार पर सवाल उठाए कि क्या यूपी में जंगलराज चल रहा है?

वीडियो वायरल होने के बाद विपक्षी नेता राहुल गांधी ने तुरंत हरिओम के परिवार से फोन पर बात की। उन्होंने परिवार को न्याय का भरोसा दिलाया और अपने एक्स हैंडल पर एक भावुक पोस्ट शेयर किया। राहुल ने लिखा, रायबरेली में दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की निर्मम हत्या सिर्फ एक इंसान की नहीं- इंसानियत, संविधान और न्याय की हत्या है। आज भारत में दलित, आदिवासी, मुसलमान, पिछड़े और गरीब- हर उस व्यक्ति को निशाना बनाया जा रहा है, जिसकी आवाज कमजोर है, जिसकी हिस्सेदारी छीनी जा रही है और जिसकी जिंदगी सस्ती समझी जाती है। देश में नफरत, हिंसा और भीड़तंत्र को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है जहां संविधान की जगह बुलडोजर ने ले ली है और इंसाफ की जगह डर ने। मैं हरिओम के परिवार के साथ खड़ा हूं- उन्हें न्याय जरूर मिलेगा। भारत का भविष्य समानता और मानवता पर टिका है और यह देश चलेगा संविधान से, भीड़ की सनक से नहीं। राहुल की यह पोस्ट लाखों लोगों तक पहुंच चुकी है और दलित समुदाय में काफी सराही जा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, जो खुद दलित समुदाय से हैं, ने भी इस घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि मॉब लिंचिंग और बुलडोजर अन्याय आज की भयावह हकीकत बन गए हैं। खरगे और राहुल ने संयुक्त बयान में इसे संविधान के खिलाफ अपराध बताया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पीड़ित परिवार से मिलकर सरकार से नौकरी और मुआवजे की मांग की। कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया और राजेंद्र गौतम जैसे नेता भी परिवार से मिले और बोले कि भाजपा में दलितों का उत्पीड़न हो रहा है। यह घटना फतेहपुर के दलित समाज में आक्रोश पैदा कर रही है, जहां हरिओम को राहुल का नाम लेने पर और पीटा गया।

इस घटना के ठीक बाद, 6 अक्टूबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट में एक और चौंकाने वाली वारदात हुई। चीफ जस्टिस बीआर गवई, जो खुद दलित समुदाय से आते हैं, पर 71 साल के वकील राकेश किशोर ने जूता उछाल दिया। राकेश बरेली का रहने वाला है और खुद को सनातन धर्म का रक्षक बताता है। वह कहता है कि सीजेआई की एक पुरानी टिप्पणी से आहत था। दरअसल, 16 सितंबर को एक याचिका पर सुनवाई के दौरान जस्टिस गवई ने मध्य प्रदेश के खजुराहो मंदिर में भगवान विष्णु की सिर कटी मूर्ति को लेकर याचिकाकर्ता से मजाक में कहा था कि मूर्ति से प्रार्थना करो, शायद वह अपना सिर वापस लगा ले। राकेश ने इसे सनातन धर्म का अपमान माना और कोर्ट में ही जूता फेंक दिया। हालांकि, सुरक्षाकर्मियों ने उसे तुरंत पकड़ लिया। राकेश ने बाद में कहा, मुझे कोई अफसोस नहीं, ये सब ऊपर वाले ने कराया। मैं सनातन का अपमान सहन नहीं कर सकता। हैरानी की बात यह है कि राकेश पर कोई केस दर्ज नहीं हुआ। चीफ जस्टिस गवई ने खुद इसे अनदेखा करने को कहा और बोले, इसे अनदेखा कर दीजिए, मैं इससे विचलित नहीं होने वाला। लेकिन सोशल मीडिया पर इस घटना ने तूफान मचा दिया। कुछ लोग इसे दलितों के खिलाफ नफरत का प्रतीक बता रहे हैं, तो कुछ इसे न्यायपालिका पर हमला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जस्टिस गवई से फोन पर बात की और घटना पर चिंता जताई। सोनिया गांधी ने भी निंदा की। विपक्षी नेता जैसे अखिलेश यादव और संजय राउत ने इसे भाजपा की साजिश बताया और कहा कि यह संविधान पर हमला है। राकेश का बयान कि दूसरे समुदाय के जज सनातन का मजाक उड़ाते हैं ने दलित समाज को और भड़का दिया है।

अब सवाल यह है कि ये दोनों घटनाएं बिहार चुनाव में कैसे मुद्दा बन रही हैं? बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की घोषणा हो चुकी है। दो चरणों में वोटिंग होगी- 6 नवंबर और 11 नवंबर को, जबकि नतीजे 14 नवंबर को आएंगे। यहां दलित वोटरों की संख्या करीब 16-19 प्रतिशत है, जो चुनावी नतीजों को पलट सकती है। कांग्रेस पार्टी इन घटनाओं को अपनी रणनीति का हिस्सा बना रही है। पार्टी की थीम है- दलित गरीब हो या सीजेआई, भाजपा राज में ये निशाने पर, संविधान-लोकतंत्र खतरे में। कांग्रेस ने बिहार में अपना प्रदेश अध्यक्ष दलित समुदाय से आने वाले राजेश राम को बनाया है, जो काफी पहले से तैयारी का हिस्सा है। राहुल गांधी हर सभा में दलित मुद्दों को उठा रहे हैं। वह संविधान पर हमले, आरक्षण और जाति जनगणना की बात करते हैं। हाल ही में उन्होंने नालंदा और गया में अत्यंत पिछड़ा वर्ग सम्मेलन किया, जहां सीएम नीतीश कुमार को चुनौती दी। राहुल ने सरकारी नौकरियों और ठेकों में ईबीसी आरक्षण का दांव चला, जो बिहार के पिछड़ों को लुभा रहा है। कांग्रेस महागठबंधन में 55 सीटों पर लड़ने की तैयारी में है, जहां राजद के साथ सीट बंटारे पर मुहर लग चुकी है। पार्टी सीमांचल इलाके पर फोकस कर रही है, जहां मुस्लिम और दलित वोटर ज्यादा हैं।

बिहार में दलित वोटरों का इतिहास देखें तो वे कभी एकमुश्त किसी पार्टी को नहीं जाते। रविदास और पासवान जातियां प्रमुख हैं। एनडीए में जीतन राम मांझी और चिराग पासवान खुद को दलितों का हितैषी बताते हैं, लेकिन कांग्रेस का कहना है कि भाजपा-जदयू सरकार में दलित अत्याचार बढ़े हैं। चुनाव आयोग पर भी आरोप लग रहे हैं कि वोटर लिस्ट में फजीवाड़ा हो रहा है। कई जगह जिंदा दलितों को मृत दिखाया गया है, जबकि मृतकों को जिंदा। कांग्रेस का दावा है कि यह गरीब-दलितों के वोट चुराने की साजिश है। राहुल की वोटर अधिकार यात्रा ने 23 जिलों में वोट चोरी को मुद्दा बनाया। विपक्षी पार्टियां जैसे राजद और सीपीआईएमएल भी दलितों पर फोकस कर रही हैं। सीपीआईएमएल के दीपांकर भट्टाचार्य कहते हैं कि बिहार में दलित बस्तियों में आग लगाकर बेदखली हो रही है, मजदूरों के हाथ काटे जा रहे हैं। पिछले 20 साल की सरकार में बेरोजगारी और पलायन चरम पर है। प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी भी नए विकल्प के रूप में उभर रही है, लेकिन राहुल और तेजस्वी का भरोसा दलितों को अपनी ओर खींच रहा है।ये मुद्दे चुनाव को नया मोड़ दे सकते हैं। जहां भाजपा विकास और मोदी-योगी की छवि पर जोर दे रही है, वहीं कांग्रेस दलितों की भावनाओं को भुनाने की कोशिश में है। रायबरेली और सीजेआई घटना ने दलितों में गुस्सा भरा है, जो बिहार में वोट बन सकता है। अगर कांग्रेस सफल हुई, तो यह न सिर्फ बिहार बल्कि पूरे देश की राजनीति को प्रभावित करेगा। अंत में, सवाल यही है- क्या संविधान और न्याय की लड़ाई चुनावी जीत दिलाएगी या विकास की बातें हावी रहेंगी? बिहार के मतदाता ही फैसला करेंगे।

महासंकल्प रैली से मायावती की वापसी की पटकथा तैयार, 2027 की जंग का शंखनाद

उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर मायावती की वापसी की दस्तक सुनाई दे रही है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती 9 अक्टूबर को लखनऊ के मान्यवर कांशीराम स्मारक स्थल पर विशाल महासंकल्प रैली के जरिए अपनी राजनीतिक ताकत का जोरदार प्रदर्शन करने जा रही हैं। यह रैली न केवल बसपा के संस्थापक कांशीराम को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर है, बल्कि मायावती द्वारा पार्टी को दोबारा पटरी पर लाने और 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी का बिगुल फूंकने का भी मंच बन गई है। को लेकर बसपा संगठन के तमाम बड़े चेहरे, जैसे आकाश आनंद, दिनेश चंद्र, घनश्याम चंद्र खरवार, नौशाद अली, विश्वनाथ पाल, भीम राजभर, गयाचरण दिनकर, शमशुद्दीन राइनी समेत ज़िला, मंडल और सेक्टर स्तर तक के कार्यकर्ता सक्रिय हैं। पार्टी ने रैली में 5 लाख से अधिक लोगों को जुटाने का दावा किया है। अगर यह संख्या पूरी होती है, तो यह मायावती के लिए न केवल मनोबल बढ़ाने वाला क्षण होगा, बल्कि 2007 जैसे राजनीतिक प्रभाव की पुनरावृत्ति भी हो सकती है यह रैली इसलिए भी ऐतिहासिक मानी जा रही है क्योंकि 9 अक्टूबर कांशीराम की पुण्यतिथि है। कांशीराम, जिन्होंने बहुजन आंदोलन को एक नई दिशा दी थी, उनके विचारों को जमीन पर उतारने वाली नेता के तौर पर मायावती खुद को प्रस्तुत करती रही हैं। ऐसे में यह आयोजन कांशीराम को श्रद्धांजलि देने से कहीं आगे बढ़कर, बसपा के ह्यराजनीतिक पुनर्जीवन का रोडमैप भी पेश करेगा ।मायावती ने 2007 में जिस स्थान से बहुजन वोटबैंक को एकजुट कर बहुमत की सरकार बनाई थी, उसी स्थान से अब फिर एक नए युग की शुरूआत करना चाहती हैं। तब उन्होंने ह्यसर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय का नारा दिया था। इस बार क्या नया नारा और नया संदेश दिया जाएगा, इस पर सबकी निगाहें टिकी हैं।

रैली की तैयारियों में बसपा कोई कसर नहीं छोड़ रही है। प्रदेश के हर जिले से भीड़ जुटाने की ज़िम्मेदारी अलग-अलग नेताओं को दी गई है। जिलाध्यक्षों को लक्ष्य सौंपा गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों से समर्थकों को बसों, ट्रेनों और निजी वाहनों के माध्यम से 8 अक्टूबर की रात तक लखनऊ पहुंचाएं। रैली स्थल पर ठहरने, खाने-पीने और सुरक्षा की व्यवस्थाएं भी पूरी कर ली गई हैं। कांशीराम स्मारक स्थल, जिसकी क्षमता लगभग 5 लाख लोगों की है, को पार्टी नीले झंडों और ह्यकछ्ङ्ग५ी BSP जैसे पोस्टरों से पाट चुकी है ।वहीं दूसरी ओर, लखनऊ नगर निगम और पुलिस प्रशासन भी रैली को लेकर सतर्क हो गया है। यातायात व्यवस्था से लेकर सुरक्षा घेरे तक सब कुछ चाक-चौबंद किया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन को यह भली-भांति ज्ञात है कि इस रैली का असर राज्य की राजनीति पर पड़ेगा ।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह रैली मायावती के लिए सिर्फ एक इवेंट नहीं, बल्कि उनकी राजनीतिक वापसी का ट्रेलर है। 2012 के बाद से बसपा सत्ता से बाहर रही है, और लोकसभा चुनावों में भी पार्टी का प्रदर्शन कमजोर रहा है। ऐसे में अब मायावती पार्टी की खोई हुई जमीन को फिर से पाने की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। मिशन-2027 मायावती के लिए सिर्फ सत्ता पाने का अवसर नहीं, बल्कि बसपा की विचारधारा को पुनर्स्थापित करने का माध्यम भी है। मायावती जानती हैं कि दलित वोटबैंक का एक बड़ा हिस्सा अब भाजपा और सपा की ओर आकर्षित हो चुका है। ऐसे में महासंकल्प रैली के जरिए वह यह संदेश देना चाहती हैं कि बसपा अभी भी मैदान में है, और दलितों-पिछड़ों-अल्पसंख्यकों के हितों की असली संरक्षक वही हैं।

रैली में सबसे दिलचस्प पहलू यह होगा कि मायावती के भतीजे आकाश आनंद की पार्टी में दोबारा सक्रिय भूमिका की घोषणा हो सकती है। बीते कुछ महीनों से उनके हाशिए पर रहने की अटकलें लगाई जा रही थीं। लेकिन अब संगठन की ओर से जो संकेत मिल रहे हैं, उससे स्पष्ट है कि युवाओं को जोड़ने के लिए पार्टी एक बार फिर आकाश को फ्रंटफुट पर लाना चाहती है ।आकाश की उपस्थिति मायावती की सियासी सोच में बदलाव का प्रतीक मानी जा रही है। यह बदलाव न केवल नेतृत्व स्तर पर है, बल्कि संगठन की कार्यशैली में भी नयापन लाने की कोशिश है। मायावती इस रैली से दोहरा संदेश देना चाहती हैं पहला, अपने कोर वोटबैंक को फिर से संगठित करना, और दूसरा, भाजपा व सपा जैसे दलों को यह बताना कि बसपा को अब नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है ।भाजपा जहां हिंदू मतों के ध्रुवीकरण में व्यस्त है, वहीं सपा मुस्लिम-पिछड़ा दलित समीकरण पर काम कर रही है। ऐसे में मायावती की रणनीति है ह्लसामाजिक न्याय + कानून व्यवस्था + मजबूत नेतृत्वह्व को एक पैकेज के रूप में पेश करना ।उनका फोकस खासकर जाटव, पासी, लोध, कुशवाहा, मौर्य, मुस्लिम और अन्य वंचित वर्गों को एक मंच पर लाने पर रहेगा। इससे बसपा न सिर्फ पारंपरिक वोटों को समेटेगी, बल्कि सपा और कांग्रेस की गैर-यादव पिछड़ा और गैर-जाटव दलित रणनीति को भी चुनौती देगी ।इस रैली को लेकर न केवल प्रदेश, बल्कि राष्ट्रीय मीडिया की भी खास नजर है। टीवी चैनलों पर लाइव कवरेज की तैयारी हो चुकी है और सोशल मीडिया पर पहले से ही #BSPMahasankalpRally ट्रेंड करने लगा है। मायावती का भाषण इस रैली का केंद्रबिंदु होगा, जिसमें वह आने वाले महीनों के लिए पार्टी की नीति, संगठनात्मक बदलाव और राजनीतिक गठबंधनों पर अपने इरादे जाहिर कर सकती हैं।

उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में से अगर बसपा को 2027 में मजबूत प्रदर्शन करना है, तो उसे कम से कम 100+ सीटों पर सीधी टक्कर देनी होगी। 2022 में पार्टी केवल 1 सीट जीत पाई थी, जो अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन था। ऐसे में इस रैली के जरिए कार्यकताओं और समर्थकों में जोश भरना, संगठन को जीवंत करना और नए चेहरे पेश करना अनिवार्य हो गया है राजनीति के जानकार मानते हैं कि यदि बसपा इस रैली में भारी भीड़ लाने में सफल रहती है और मायावती स्पष्ट संदेश देती हैं, तो यह विपक्षी दलों की रणनीति को हिला सकता है ।ह्यमहासंकल्प रैलीह्न सिर्फ एक शक्ति प्रदर्शन नहीं, बल्कि मायावती के लिए नई राजनीतिक पारी की शुरूआत है। यह दिखाने का समय है कि बसपा खत्म नहीं हुई, बल्कि अब और मजबूत होकर उभर रही है। कांशीराम की विरासत को लेकर चल रही इस राजनीतिक यात्रा में अब नया मोड़ आ गया है ।अगर यह रैली सफल रही, तो मायावती और बसपा एक बार फिर उत्तर प्रदेश की राजनीति के केंद्र में लौट सकते हैं। और अगर नहीं, तो यह आखिरी मौका भी हो सकता है।

जिला परिषद पालघर कार्यालय में मनी महर्षि वाल्मीकि जयंती

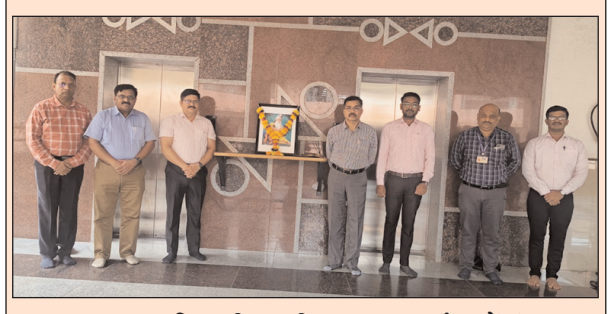

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर कार्यालय में मंगलवार 7 अक्टूबर 2025 को महर्षि वाल्मीकि जयंती श्रद्धा व सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने महर्षि वाल्मीकि जी की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें नमन किया। ज्ञात हो कि महर्षि वाल्मीकि संस्कृत के महान कवि और रामायण के रचयिता माने जाते हैं। उन्हें आदिकवि की उपाधि प्राप्त है। उन्होंने संस्कृत भाषा में पहला महाकाव्य रचकर भारतीय संस्कृति को अमूल्य धरोहर दी। इसी आदिकवि की जयंती आज श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (पंचायत) अशोक पाटिल, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (सा) इजाज अहमद शरीक मसालत, जिला कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी, अतिरिक्त जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शशिकांत सालुंखे समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रगतिशील किसान पंडितराव पाटिल का निधन

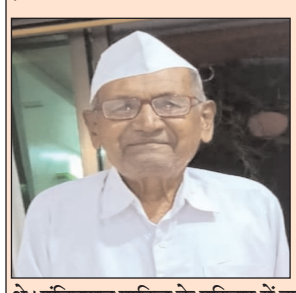

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व स्थित सम्राट अशोक विद्यालय के राज्य पुरस्कार विजेता उद्यमी प्रधानाध्यापक गुलाबराव पाटिल के पिता का 84 वर्ष की आयु में संक्षिप्त बीमारी के बाद निधन हो गया। पंडितराव पाटिल धुले जिले के साकरी स्थित शिरसोले तालुका के एक आदर्श प्रगतिशील किसान के रूप में जाने जाते थे। पंडितराव पाटिल के परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटे, पुत्रवधू, पोते-पोतियाँ और एक पुत्रवधू हैं। उन्होंने अपनी चौथी कक्षा तक की शिक्षा एक छोटे से गाँव के जिला परिषद स्कूल से पूरी की और अपने दोनों बेटों को आगे की शिक्षा के लिए गाँव से बाहर भेज दिया। शिक्षा पूरी करने के बाद, उन्होंने अपने एक बेटे को डॉक्टर और एक बेटे को प्रधानाध्यापक बनाया। पंडितराव पाटिल अपने रिश्तेदारों ध्रुवज, सलोनी और अमृता के डॉक्टर बनने से भी खुश थे। पंडितराव पाटिल एक गरीब किसान परिवार के सुखद सफर और क्षेत्र में एक आदर्श किसान के रूप में जाने जाते थे। अपनी आयु के अनुरूप एक आदर्श व्यक्तित्व के अल्पकालिक बीमारी के कारण निधन पर क्षेत्र में शोक व्यक्त किया जा रहा है। कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की है और पंडितराव पाटिल का दशक्रिया अनुष्ठान कार्यक्रम गुरुवार, 9 अक्टूबर को उनके पैतृक गांव, शिरसोले तालुका, साकरी जिला, धुले में आयोजित किया जाएगा।

किया इंडिया ने प्रमुख भूमिका परिवर्तन के साथ नेतृत्व को मजबूत किया

मुंबई। किया इंडिया, एक प्रमुख प्रीमियम कार निमार्ता, ने आज नेतृत्व में बड़ा बदलाव करने की घोषणा की है। इसमें श्री सुनहैक पार्क को चीफ सेल्स ऑफिसर (सीएसओ) और श्री जूनसु चो को चीफ बिजनेस ऑफिसर (सीबीओ) नियुक्त किया गया है। सीएसओ के रूप में अपनी नई भूमिका में, श्री पार्क किया इंडिया की सेल्स रणनीति का नेतृत्व करेंगे, सतत विकास, संचालन क्षमता में सुधार और ब्रांड की बाजार पहुँच बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उनके पास दक्षिण कोरिया, मध्य पूर्व व अफ्रीका और भारत की किया मुख्यालय में 28 वर्षों का अंतरराष्ट्रीय ऑटोमोटिव अनुभव है। सीबीओ के रूप में, श्री चो व्यापक व्यापार रणनीतियों के निर्माण, उत्पादन योजना, निर्यात लॉजिस्टिक्स, क्रॉस-फंक्शनल टीमों का नेतृत्व, सामरिक गठबंधनों की स्थापना तथा संचालन में उत्कृष्टता सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होंगे। उनके पास ऑस्ट्रेलिया, यूके और यूरोप जैसी कई वैश्विक भूमिकाओं में 32 से अधिक वर्षों का नेतृत्व अनुभव है। श्री सुनहैक पार्क, चीफ सेल्स ऑफिसर, किया इंडिया ने कहा, मुख्य बिक्री अधिकारी की भूमिका संभालना मेरे लिए सम्मान की बात है। यह ब्रांड के लिए एक रोमांचक समय है क्योंकि हम एक गतिशील और विकसित हो रहे बाजार में अपनी उपस्थिति और विस्तार करना जारी रखते हैं। मेरा ध्यान बिक्री वृद्धि, संचालन दक्षता और हमारे डीलर एवं साझेदार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर होगा।

श्री जूनसु चो, चीफ बिजनेस ऑफिसर, किया इंडिया ने कहा, ₹मुख्य व्यापार अधिकारी की भूमिका ग्रहण करना मेरे लिए गौरव की बात है। किया इंडिया ने बाजार में उल्लेखनीय प्रगति की है और मेरी प्राथमिकता ऐसी मजबूत व्यापार रणनीतियों को विकसित और लागू करना होगी जो सतत विकास और संचालन उत्कृष्टता को समर्थन दें।

ईजबज द्वारा बज़िंग फॉर भारत पहल की शुरूआत

मुंबई। ईजबज ने बज़िंग फॉर भारत पहल की शुरूआत की है, जिसका उद्देश्य भारत की सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को उनकी डिजिटल क्षमताओं को सशक्त बनाने और सतत रूप से विकास करने में सक्षम बनाना है। इस पहल की शुरूआत मुंबई में आयोजित पहली डिजिटल एक्सीलेंस अवाड्र्स 2025 से हुई।

बज़िंग फॉर भारत को एक निरंतर चलने वाले पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में डिजाइन किया गया है, जिसका उद्देश्य एमएसएमई को तीन मुख्य स्तंभों मान्यता, पहुँच और सशक्तिकरण के माध्यम से सशक्त बनाना है। इस पहल के बारे में बात करते हुए ईजबज के ग्रुप हेड परिमल श्रीवेंदु ने कहा, बज़िंग फॉर भारत को एक सहयोगी मंच के रूप में विकसित किया गया है, जो पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के हितधारकों को एक साथ लाकर एमएसएमई को डिजिटल बनाने, विकास पूंजी तक पहुँच प्रदान करने और वैश्विक स्तर पर विस्तार करने में मदद करता है। डिजिटल एक्सीलेंस अवाड्र्स भारत के लघु व्यवसायों में डिजिटल समावेश और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए एक दीर्घकालिक प्रयास की शुरूआत का प्रतीक हैं।

भारत की जीडीपी में लगभग 30% योगदान और 1.10 करोड़ से अधिक रोजगार देने वाले एमएसएमई की डिजिटल और वित्तीय मजबूती देश की आर्थिक प्रगति के लिए केंद्रीय भूमिका निभाती है। बज़िंग फॉर भारतह्न का उद्देश्य वित्त तक पहुँच, डिजिटल अपनाने की क्षमता और बाजार से जुड़ाव जैसी प्रमुख चुनौतियों को दूर करना है, साथ ही इस क्षेत्र में समावेशिता और नवाचार को बढ़ावा देना है।

पालघर जिला परिषद द्वारा दुर्वेस में पोषण मेले के जरिए जनजागृति कार्यक्रम आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर के महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन तथा एकात्मिक बाल विकास सेवा योजना प्रकल्प मनोर के अंतर्गत 8वें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ एवं बालक पालक पोषण मेला का आयोजन दुर्वेस के जैन मंदिर सभागृह में उत्साहपूर्वक किया गया। इस अवसर पर लगभग 550 से अधिक महिलाओं की उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ मातृ सशक्तिकरण और पोषण साक्षरता का प्रसार करना था। मनोर प्रकल्प के अंतर्गत कुल 10 बीट एवं 263 आंगनवाड़ियाँ कार्यरत हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कैलास पगारे, आयुक्त, एकात्मिक बाल विकास सेवा योजना महाराष्ट्र राज्य ने की। प्रमुख अतिथि के रूप में मनोज रानडे, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद पालघर, विजय क्षीरसागर, उपायुक्त, एकात्मिक बाल सेवा प्रकल्प योजना, जिला कार्यक्रम अधिकारी व्यंकटराव हुंडेकर, दुर्वेस के सरपंच आकाश विष्णू कडव, उपसरपंच प्रमिला काटेला के अलावा कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सदस्य, स्थानीय महिलाएं, पर्यवेक्षिकाएं, आंगनवाड़ी सेविकाएं व सहायिकाएं बड़ी संख्या में उपस्थित थीं। पोषण मेले के तहत माताओं के लिए मार्गदर्शन सत्र, बच्चों की विकास पर विशेषज्ञों के व्याख्यान तथा लोकल फॉर वोकल संकल्पना पर आधारित पोषण आहार का प्रात्यक्षिक प्रदर्शन किया गया। स्थानीय कृषि उपज, अनाज, फल, सब्जियाँ और घरगुती सामग्री से पौष्टिक व्यंजन तैयार करने के संतुलित आहार पाककला प्रदर्शन ने विशेष आकर्षण बटोरा।

इसके साथ थीम आधारित स्टॉल्स, टीएचआर(टेक होम राशन) पाककला स्टॉल, 3 वर्ष से कम बच्चों की वजन-ऊँचाई जांच, स्वास्थ्य जांच शिविर तथा पोषण स्वास्थ्य सलाह केंद्र का आयोजन किया गया। 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए आधारशीला क्रिया आधारित स्टॉल्स भी लगाए गए। आंगनवाड़ी की बालिकाओं ने 9 दुर्गा के रूप में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं का प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया, जबकि आंगनवाड़ी सेविकाओं ने बालविवाह निषेध पर नाटिका प्रस्तुत की। महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर भी आयोजित किया गया।

इस मौके पर कैलास पगारे ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि नन्हे बच्चों की आवाज को उठाना और माताओं को सही मार्गदर्शन देना अत्यंत आवश्यक है। बच्चे के पहले हजार दिनों में पोषण, स्तनपान, ऊपरी आहार और टीकाकरण जैसे विषयों पर जनजागृति होना बहुत जरूरी है। आने वाले समय में पालघर निश्चित रूप से राज्य में प्रथम स्थान पर होगा। मनोज रानडे ने कहा बोलते हुए कहा कि रानभाज्या (वनस्पतिजन्य सब्जियाँ) हमारे पारंपरिक आहार का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इनका संवर्धन और उपयोग बढ़ाने से कुपोषण काफी हद तक घट सकता है। हर परिवार को अपने घर के आंगन में पोषक पालेभाजियाँ उगानी चाहिए। विजय क्षीरसागर ने कहा कि यदि गर्भवती माताएँ गर्भावस्था से लेकर बच्चे के दो वर्ष तक पोषण और स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं देतीं, तो बच्चे की बौद्धिक क्षमता प्रभावित हो सकती है। इसलिए मातृत्व काल से ही पोषण पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। कार्यक्रम का प्रास्ताविक व्यंकटराव हुंडेकर ने प्रस्तुत किया। शाहीर विष्णू शिंदे एवं एड. विद्यागर की टीम ने पोषण विषयक शाहिरी गीतों से वातावरण रंगीन बनाया। बाल विकास प्रकल्प अधिकारी योगिता डांगे, पर्यवेक्षिका उर्मिला सुरकर और आंगनवाड़ी सेविकाओं के समन्वय से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आदित्य बिर्ला एज्युकेशन ट्रस्ट की ओर से अलंकृता नाईक ने मासिक धर्म स्वास्थ्य विषय पर मार्गदर्शन सत्र लिया। अंत में उपस्थित सभी लोगों ने पोषण जनजागृती की शपथ ली। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित मान्यवरों ने आरोग्यदायी बालपण आणि सशक्त मातृत्व (स्वस्थ बालपन और सशक्त मातृत्व) का संदेश दिया।

भिवंडी के मशहूर साहित्यकार डा.अबू तालिब अंसारी 'एतराफिया अवार्ड' से किया गया सम्मानित

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के मशहूर चिकित्सक एवं प्रख्यात लेखक डा.अबू तालिब अंसारी को कुईज टाइम मुंबई की ओर से रविवार 5 अक्टूबर 2025 को खेलाफत हाउस मुंबई में आयोजित एक भव्य समारोह में उर्दू भाषा विकास, साहित्य, शिक्षा और संस्कृति के प्रचार-प्रसार में उनकी बहुमूल्य सेवाओं की सराहना की गयी और समारोह में उपस्थित अतिथियों के कर कमलों से उन्हें एतराफिया अवार्ड₹से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि डा.अबू तालिब अंसारी की साहित्य, चिकित्सा, व्यक्तित्व, इतिहास और सामान्य ज्ञान जैसे विभिन्न विषयों पर चौदह पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं जिसे पाठकों ने खूब पसंद किया है । इस शानदार उपलब्धि पर उनके सभी शुभचिंतकों एवं मित्रों ने डा. अबू तालिब अंसारी को बधाई देते हुये उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

पालघर परियोजना के तहत पोषण भी पढ़ाई भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। एकात्मिक बाल विकास सेवा योजना, पालघर प्रकल्प के अंतर्गत 6 अक्टूबर 2025 को अंगणवाड़ी सेविकाओं के लिए पोषण भी पढ़ाई भी विषय पर एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण के तहत बालकों के सर्वांगीण विकास के लिए पोषण, शिक्षा और संवर्धन के महत्व को रेखांकित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी व्यंकटराव हुंडेकर अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज कराते हुए सेविकाओं से संवाद स्थापित किया। उन्होंने कहा कि पोषण भी पढ़ाई भी उपक्रम बालक के समग्र विकास के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने सभी सेविकाओं से इस प्रशिक्षण को गंभीरता से लेकर इसे जमीनी स्तर पर लागू करने का आवाहन किया। उन्होंने यह भी कहा कि अंगणवाड़ी सेविका ही बालक की पहली प्रेरणा होती है, और उनके कार्य की सराहना की। बालविकास प्रकल्प अधिकारी अमोल पवार ने प्रशिक्षण के महत्व और बालकों को मिलने वाले लाभों पर सविस्तार मार्गदर्शन दिया। उन्होंने बताया कि बच्चों के पोषण के साथ-साथ उनके बौद्धिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास की मजबूत नींव रखना आवश्यक है, जिसमें सेविकाओं की सक्रिय भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। कार्यक्रम की शुरूआत पर्यवेक्षिका रत्नमाला गायकवाड, मयुरी भोये और गौरी धांगडा ने आइस ब्रेकर उपक्रम के माध्यम से की। उन्होंने पूर्वप्राथमिक शिक्षा का महत्त्व, बच्चों की आकांक्षाएँ पहचानना, विकास के सात क्षेत्र, स्मरणशक्ति व शारीरिक विकास के खेल, भाषा विकास और अंकुरता साक्षरता के महत्त्व पर व्यावहारिक उदाहरणों के साथ मार्गदर्शन किया। प्रशिक्षण सत्र में आधार शिला आकार उपक्रम के प्रशिक्षक भी उपस्थित थे। उन्होंने सेविकाओं को छोटे बच्चों की आवश्यकताएँ, पोषण, सुरक्षा, संरक्षण और उत्तरदायी देखभाल के विषय में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यदि प्रारंभिक शिक्षा की नींव मजबूत हो, तो बच्चों का भविष्य उज्ज्वल होता है। कार्यक्रम का सफल आयोजन पालघर प्रकल्प की मुख्य सेविकाओं के सहयोग से किया गया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से अंगणवाड़ी सेविकाओं को बालकों के सर्वांगीण विकास के लिए और अधिक सक्षम बनाने का प्रयास किया गया।

रोहिणी खडसे से पुणे पुलिस ने की पूछताछ, पति प्रांजल खेवलकर हैं आरोपी

पुणे। पुणे शहर पुलिस ने सोमवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा-सपा) की नेता रोहिणी खडसे का बयान उनके पति डॉ. प्रांजल खेवलकर के खिलाफ कथित ड्रग्स पार्टी मामले में दर्ज किया। बाद में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, रोहिणी ने कहा कि पुलिस ने उन्हें मामले से जुड़े कुछ बिंदुओं पर चर्चा करने के लिए बुलाया था। उन्होंने कहा कि मैंने मुझसे पूछे गए सवालों के जवाब दे दिए हैं... मामला अदालत में विचाराधीन है, इसलिए मीडिया के साथ विवरण साझा करना उचित नहीं होगा। हम पुलिस के साथ सहयोग कर रहे हैं। रोहिणी ने कहा कि उन्हें पूरा यकीन है कि उनके पति निर्दोष हैं और यह बात अदालत में साबित हो जाएगी। रोहिणी वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे की बेटी हैं।

रोहिणी सोमवार सुबह पुणे पुलिस कमिश्नरेट स्थित क्राइम ब्रांच ऑफिस पहुँचीं। क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने उनसे पूछताछ की और उनका बयान दर्ज किया। पुलिस ने 25 जुलाई को तड़के करीब 3.20 बजे खराडी स्थित स्टेबर्ड एज्योर सुइट बिल्डिंग के अपार्टमेंट नंबर 102 में छापेमारी के दौरान खेवलकर को चार पुरुषों और दो महिलाओं के साथ गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बताया कि मौके से 2.7 ग्राम कोकीन, 70 ग्राम मारिजुआना और दस मोबाइल फोन, दो कारें, एक हुक्का पॉट, शराब और बीयर की बोतलें समेत अन्य सामान जब्त किया गया, जिनकी कीमत 41,35,400 रुपये है। फोरेंसिक जांच में पुष्टि हुई कि खेवलकर ने कोई ड्रग्स नहीं लिया था। इस मामले में 25 सितंबर को एक अदालत ने उन्हें जमानत दे दी थी।

खेवलकर ने अपने वकील के माध्यम से अदालत में दलील दी थी कि पुलिस ने इस मामले में जब्त की गई प्रतिबंधित सामग्री राजनीतिक कारणों से रखी थी।

वकील ने तर्क दिया था कि खेवलकर ने न तो ड्रग्स का सेवन किया था और न ही उनके पास से कोई ड्रग्स बरामद हुई थी, इसलिए उनके खिलाफ नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंसेज (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत लगाए गए आरोप झूठे हैं।

बाढ़ प्रभावित किसानों के खातों में सीधे आएंगे 31,628 करोड़, अब तक का सबसे बड़ा पैकेज

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार (7 अक्टूबर) को हाल ही में आई बाढ़ और भारी बारिश से भारी नुकसान झेलने वाले किसानों की सहायता के लिए 31,628 करोड़ रुपये के व्यापक राहत पैकेज की घोषणा की। उपमुख्यमंत्रियों एकनाथ शिंदे और अजित पवार के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, फडणवीस ने कहा कि सरकार बाढ़ से क्षतिग्रस्त कृषि भूमि के लिए 47,000 रुपये नकद और रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के माध्यम से प्रति हेक्टेयर 3 लाख रुपये प्रदान करेगी। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक प्रभावित किसान को 10,000 रुपये नकद राहत और प्रत्येक क्षतिग्रस्त कुएं के लिए 30,000 रुपये का मुआवजा दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पशुधन के नुकसान को भी कवर किया जाएगा, प्रत्येक मृत पशु के लिए 32,000 रुपये का मुआवजा दिया जाएगा - एनडीआरएफ के पहले के मानदंड का विस्तार करते हुए, जिसमें सहायता केवल तीन पशुओं तक सीमित थी। फडणवीस ने आगे कहा कि क्षतिग्रस्त या नष्ट हुए घरों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सहायता प्रदान की जाएगी, साथ ही नुकसान उठाने वाले दुकानदारों को 50,000 रुपये की राहत भी दी जाएगी। फडणवीस ने बताया कि बाढ़ ने राज्य के 36 जिलों में से 29 को प्रभावित किया है, जिनमें 253 तालुका और 2,000 से ज्यादा राजस्व मंडल शामिल हैं। मानसून के दौरान बोई गई 1.43 करोड़ हेक्टेयर जमीन में से 68 लाख हेक्टेयर से ज्यादा फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गईं। उन्होंने बताया कि कटाव के कारण लगभग 60,000 हेक्टेयर कृषि भूमि की ऊपरी मिट्टी नष्ट हो गई है, जिससे पुनर्निर्माण की चुनौतियाँ और बढ़ गई हैं। राहत पैकेज में फसलों, जमीन, घरों, मवेशियों के बाड़ों और सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे को हुए नुकसान की भरपाई शामिल होगी।

मुरबे बंदरगाह को लेकर जनसुनवाई शांतिपूर्वक सम्पन्न

9 हजार नागरिकों की सहभागिता, 8 हजार से अधिक आपत्तियाँ दर्ज

पालघर (उत्तरशक्ति)। जेएसडब्ल्यू मोरबे पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के प्रस्तावित मुरबे बंदरगाह निर्माण परियोजना से संबंधित पर्यावरणीय सार्वजनिक जनसुनवाई सोमवार 6 अक्टूबर को पालघर में शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। इस जनसुनवाई की अध्यक्षता जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड़ ने की।

जनसुनवाई का आयोजन महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल (एमपीसीबी) तथा जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में सुबह 11 बजे, जिला क्रीडा संकुल (दांडेकर कॉलेज के समीप), पालघर में किया गया था। मुरबे परिसर सहित आस-पास के क्षेत्रों से लगभग 9 हजार नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सुनवाई के दौरान नागरिकों द्वारा करीब 8 हजार आपत्तियाँ और सुझाव दर्ज किये गए। इनमें से 103 नागरिकों ने व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपने विचार, सुझाव और आपत्तियाँ दर्ज कीं। नागरिकों ने मछुआरा समाज के रोजगार, समुद्री जैवविविधता पर संभावित प्रभाव, तथा पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन रिपोर्ट (एआईए रिपोर्ट) से जुड़े मुद्दे प्रमुखता से उठाए। कार्यक्रम की शुरूआत में सुनवाई के संयोजक वीरेंद्र सिंह, उप-प्रादेशिक अधिकारी, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल (तारापुर) ने प्रस्तावना दी। इसके पश्चात जिलाधिकारी के अनुमति देने पर परियोजना प्रवर्तकों की ओर से तकनीकी प्रस्तुतीकरण किया गया। सुनवाई के समापन पर किरण हसबनीस, प्रादेशिक अधिकारी (एमपीसीबी, ठाणे) ने बताया कि सभी बिंदुओं की नोंद इतिवृत्त में की जायेगी। यह इतिवृत्त महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जायेगा तथा प्राप्त सभी आपत्तियाँ नियामक प्राधिकरण (रेगुलेटरी ऑथोरिटी) को भेजी जायेंगी। सुनवाई की प्रक्रिया शांतिपूर्वक एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हो, इसके लिए पुलिस प्रशासन, राजस्व विभाग, ग्राम पंचायत पदाधिकारी तथा स्थानीय ग्रामवासियों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। जिला पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख के मार्गदर्शन में कानून व व्यवस्था बनाए रखने हेतु 124 पुलिस अधिकारी, 1069 पुरुष व महिला जवान, 8 स्ट्राइकिंग टीमें, 1 एसआरपीएफ दल, 2 आरसीपी टीमें, 2 त्वरित प्रतिसाद दल, तथा वाहन नियंत्रण के लिए 3 अधिकारी व 32 जवान तैनात किए गए थे। पूरे सुरक्षा प्रबंध का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख ने किया। अंत में जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड़ ने संयमपूर्वक सहभागिता के लिए सभी नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए शाम 5:30 बजे जनसुनवाई का समापन किया।

चाइनीज बोले तो, चाइनीज वॉकः चाइनीज वॉक का नया मजेदार अभियान करेगा देश की क्रेविंग पूरी

मुंबई। भारत में यह त्योहारों और खाने-पीने का आनंद लेने का समय है और ऐसे में भारत का सबसे बड़ा घरेलू देसी चाइनीज क्यूएसआर - चाइनीज वॉक शानदार अभियान पेश कर रहा है। चाइनीज रेस्तरां के नाम गलत बोलने की मजेदार भूलों पर आधारित यह अभियान, लोगों को चाइनीज वॉक के जायके का लुत्फ लेने के लिए प्रेरित करता है। इस महीने लॉन्च हो रहा चाइनीज बोले तो, चाइनीज वॉक अभियान, इस ब्रांड को देसी चाइनीज की क्रेविंग के लिए पसंदीदा विकल्प बनाने की कोशिश करेगा और वह भी ठीक उस समय जब लोग एकजुट होकर खाने-पीने का आनंद उठाना पसंद करते हैं।

अक्सर लोग देसी चाइनीज खाने के रेस्तरां के नाम गड़बड़ा देते हैं - इसी रोजमर्रा की आदत को ब्रांड ने एक मजेदार क्रेविंग क्यू में बदला है। यह मजेदार कहानी न सिर्फ मनोरंजन करती है, बल्कि ब्रांड को यादगार भी बनाती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि चाइनीज वॉक का नाम पूरे भारत में उपभोक्ताओं के जेहन में हमेशा बना रहे। ये फिल्में प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया और आगामी क्रिकेट सीजन सहित उच्च-प्रभाव वाले प्रसारण स्थलों पर दिखाई जाएंगी, ताकि यह अभियान त्योहारों और क्रिकेट सीजन के दौरान लाखों दर्शकों तक पहुंच सके। लेनेक्सिस फूडवर्क्स के संस्थापक और निदेशक, आयुष मधुसूदन अग्रवाल ने इस अभियान के बारे में कहा, ₹ चाइनीज वॉक पिछले एक दशक में, भारत में देसी चाइनीज जायके, युवा ऊर्जा और रोजमर्रा की क्रेविंग का पर्याय बन गया है। इस अभियान के साथ, हम सिर्फ विज्ञापन अभियान ही नहीं पेश कर रहे बल्कि हम नया मानक स्थापित कर रहे हैं। 'चाइनीज बोले तो, चाइनीज वॉक' आसानी से याद रखने लायक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण वाक्यांश है, जो इस ब्रांड को लंबे समय तक लोगों के लिए अविस्मरणीय बनाए रखने के लिए तैयार किया गया है। यह प्रचार अभियान लघु फिल्मों पर आधारित है, लेकिन प्रचार की प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अलग-अलग इन्फ्लुएंसर के साथ सहयोग, एआर-आधारित इन-स्टोर अनुभव, सोशल मीडिया चैलेंज और सांस्कृतिक भागीदारी भी शामिल होगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि चाइनीज बोले तो, चाइनीज वॉक का विस्तार स्क्रीन से कहीं आगे तक हो। इस युवा-केंद्रित, डिजिटल कहानी कहने के तरीके से उपभोक्ताओं के बीच अभियान का आकर्षण बढ़ेगा और इसमें मनोरंजन, संवादपरकता और ब्रांड से जुड़ाव का मेल अनूठी चाइनीज वॉक शैली के साथ होगा।

चाइनीज वॉक के अब 45 से ज्यादा शहरों में 240 से ज्यादा आउटलेट हैं और 2027 तक इन आउटलेट की संख्या बढ़ाकर 500 तक करने की है। यह ब्रांड चाइनीज बोले तो, चाइनीज वॉक के साथ, देश भर के उपभोक्ताओं को साथ मिलकर हंसने, साझा करने और सबसे बड़ी चीज, चाइनीज वॉक के व्यंजनों के साथ अपनी इच्छा पूरी करने के लिए आमंत्रित कर रहा है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

परिणाम को समझें और उस पर काम करें: सुनील दत्त

◆ विद्यार्थियों को कारपोरेट के अनुरूप शिक्षा देने का प्रयास: कुलपति

◆ उद्योग-संस्थान सहयोग को सुदृढ़ करने पर पीयू में बैठक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में कुलपति प्रो.वंदना सिंह की अध्यक्षता में उद्योगझसंस्थान सहयोग को सशक्त बनाने एवं विद्यार्थियों के लिए रोजगारोन्मुख अवसरों के विस्तार के उद्देश्य से एक उच्चस्तरीय बैठक सोमवार की शाम आयोजित की गई। बैठक में जियो इंफोकॉम लिमिटेड, मुंबई के प्रेसिडेंट (डिवाइस एंड सेल्स) सुनील दत्त मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो.वंदना सिंह ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय पूर्व छात्रों और कॉरपोरेट जगत के बीच सतत संवाद को उच्च शिक्षा की गुणवत्ता वृद्धि और कौशल-आधारित शिक्षण के लिए अनिवार्य मानता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप अनुभवपरक शिक्षण, नवाचार प्रयोगशालाओं और उद्योग-आधारित प्रशिक्षण के क्षेत्र में अग्रसर है। मेरी कोशिश है कि कारपोरेट जगत के अनुरूप विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में शिक्षा और प्रशिक्षण दिया जाए।

सुनील दत्त ने टेलीकॉम और डिजिटल सेक्टर में उभरते वैश्विक रुझानों–जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल कम्युनिकेशन सिस्टम–पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, परिणाम (आउटकम) को परिभाषित करें और उस पर काम करे तभी शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य पूर्ण होगा। उन्होंने विद्यार्थियों में बहुआयामी कौशल और अनुकूलन क्षमता विकसित करने पर जोर दिया तथा विश्वविद्यालय को उद्योग और पूर्व छात्रों के साथ मजबूत नेटवर्क बनाने का सुझाव दिया।

प्रो.मानस पांडेय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन पर विचार रखे। कॉर्पोरेट सदस्य आईक्यूएसी विनीत सिंह पीयू के उद्योग मुखी शैक्षणिक संस्कृति के निर्माण की दिशा में दूरदर्शी कदम बताया। प्रो.प्रदीप कुमार, निदेशक (सेंट्रल ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल), ने विश्वविद्यालय द्वारा प्रारंभ की गई सशुल्क इंटर्नशिप योजना, अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डेवलपमेंट प्रोग्राम, एलुमनाई कनेक्ट एवं मेंटरिंग स्कीम की जानकारी दी। शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ राहुल सिंह महाविद्यालय के समक्ष तकनीकी संसाधनों की कमी जैसे चुनौतियों का उल्लेख किया।

कार्यक्रम में प्रो.अजय द्विवेदी, प्रो.अजय प्रताप सिंह, प्रो.देवराज सिंह, प्रो.प्रमोद यादव, डॉ.विनोद कुमार सिंह, शिक्षक संघ पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर विजय सिंह, डॉ.रसिकेश, डॉ.आशुतोष सिंह, डॉ.आलोक गुप्ता, डॉक्टर मनीष प्रताप सिंह, डॉ.राज बहादुर यादव, उपकुलसचिव अजीत सिंह, डॉ.शैलेंद्र सिंह, डॉ.प्रभाकर सिंह सहित अनेक शिक्षक एवं अधिकारी उपस्थित रहे। अंत में कुलसचिव केश लाल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। यह बैठक विश्वविद्यालय और उद्योग जगत के बीच सेतु निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम सिद्ध हुई।

भाजपा नेता ने कोतवाल पर लगाया मारपीट और फर्जी मुकदमे में फंसाने का आरोप

◆ रामभक्तों पर पुलिसिया लाठीचार्ज के जांच की माँग

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मां दुर्गा के पण्डालों के शोभायात्रा के दौरान पंडाल के कार्यकर्ताओ और पुलिस से कहा सुनी के बाद हुई बहस के बाद एक वीडियो शोसल मीडिया पर बहुत तेजी से वायरल हो रही है।जिसमे माँ दुर्गा के शोभायात्रा के कुछ युवक आपस मे कहा सुनी कर रहे हैं तभी कुछ पुलिस कर्मी वहां आये लाठियां भांजना शुरू कर दिया। भीड़ वितर हो गयी।बताया जाता है की कुछ युवक उसमे घायल भी हुए।

इसी घटना के विषय मे भाजपा नेता ईशान राम जायसवाल प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह से जानकारी मांगनी चाही। आरोप है कोतवाल ने उक्त भाजपा नेता को फर्जी मुकदमे में नाम दर्ज करते हुए रात भर थाने पर बैठाया गया।ये पूरी घटना 4 अक्टूबर की बताई जा रही है।

शोसल मीडिया पर वीडियो वायरल: 4 अक्टूबर की घटना जिसमे माँ दुर्गा के शोभायात्रा में कुछ पुलिस कर्मी लाठियां भांजते दिख रहे हैं।जिससे भीड़ इधर उधर भाग रही है।आरोप है इसमें कुछ राम भक्त घायल भी हो गए थे।

भाजपा नेता ने कोतवाल पर लगाये गम्भीर आरोप: सोमवार की रात भाजपा नेता ईशान जायसवाल राम ने एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर कोतवाल शाहगंज दीपेंद्र सिंह पर आरोप लगाया की सरकार को बदनाम करने हेतु

मनबढ़ प्रभारी निरीक्षक बिना बात के राम भक्तो पर लाठियां चलाई मेरा कसूर सिर्फ इतना था की एक नागरिक और सत्ता पक्ष का जिम्मेदार पदाधिकारी होने के कारण हमने कोतवाल से प्रकरण के विषय मे जानकारी चाही जिससे तिलमिलाए कोतवाल ने मेरे ऊपर फर्जी मुकदमा दर्ज कर जबरन मेडिकल मुआयना कराकर चालान किया गया।आगे ईशान जायसवाल ने कहा मामले की सूचना उच्च अधिकारियों और पार्टी हाईकमान तक भेज दिया गया है।

प्रभारी निरीक्षक का हुआ तबादला: गंलवार की सुबह पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा एक लिस्ट जारी की गई आधा दर्जन से अधिक प्रभारी निरीक्षक और उप निरीक्षकों का तबादला कर दिया गया है।उसी लिस्ट में

◆ प्रभारी निरीक्षक का हुआ तबादला, चचाओं का बाजार गर्म

शाहगंज के प्रभारी निरीक्षक का नाम था।कोतवाल दीपेंद्र सिंह के ट्रांसफर की सूचना नगर में आग की तरह फैल गयी।और चचाओं का बाजार गर्म हो गया।

क्या बोले डीएसपी: इस सम्बंध में डीएसपी अजीत सिंह चौहान ने मंगलवार को एक बयान जारी करते हुए कहा की माँ दुर्गा की शोभायात्रा मूर्ति विसर्जन को ले जाते समय कलेक्टर गंज में दो पक्षों के युवकों में कुछ विवाद चल रहा था।मौके पर तैनात पुलिस के जवान भीड़ को तितर बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग कर शांति व्यवस्था कायम कर शोभायात्रा को आगे बढाया।

सई नदी से उठी मासूम की पुकार, ग्रामीणों ने सुनी तो थम गई सांसें

झोले में मिला नवजात जीवित, ग्रामीणों की सूझबूझ से बची मासूम की जान

सिकरारा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मानवता को झकझोर देने वाली घटना मंगलवार की सुबह सई नदी किनारे सामने आई, जब बरगुदर पुल के नीचे एक झोले में लिपटा नवजात शिशु मिला। सुबह टहलने निकले ग्रामीणों ने जब किसी बच्चे के रोने की करुण पुकार सुनी तो आवाज की दिशा में दौड़े। पास पहुँचने पर देखा कि एक झोले में एक दिन का नवजात जीवित पड़ा है। घटना की सूचना मिलते ही सिकरारा पुलिस तत्काल मौके पर पहुँची और नवजात को सुरक्षित बाहर निकालकर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। डॉक्टरों ने बताया कि बच्चा स्वस्थ है और समय रहते उपचार मिल जाने से उसकी जान बच गई। ग्रामीणों में इस हृदय विदारक घटना को लेकर आक्रोश और संवेदना दोनों ही देखी गई। लोग तरह-तरह की चचाएँ कर रहे हैं कि आखिर इतनी निर्दयी माँ ने अपने कलेजे के टुकड़े को नदी किनारे क्यों छोड़ दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, ताकि इस अमानवीय कृत्य के पीछे की सच्चाई सामने आ सके। स्थानीय लोगों ने कहा:अगर थोड़ी देर और होती तो मासूम की जान जा सकती थी। भगवान का शुक्र है कि उसकी पुकार सुन ली गई।

वरिष्ठ समाजसेवी व मदर टेरेसा फाउंडेशन के प्रवक्ता व मीडिया प्रभारी रियाजुक हक का हुआ सम्मान

सुशील गुप्ता

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शहर के सुन्नी यूथ फोर्स राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी संगठन और सुन्नी मरकजी जुलूस ए मोहम्मदी कमेटी जौनपुर के अध्यक्ष नज्में आलम कादरी के द्वारा वरिष्ठ पत्रकार समाजसेवी रियाजुल हक को पत्रकारिता के क्षेत्र व सामाजिक कार्यों में उनके योगदान के लिए अध्यक्ष नजमी आलम कादरी ने सील्ड ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। ऐसे ही समाज के प्रति कार्य करते रहें उनके उज्जवल भविष्य की कामना भी की है।

जौनपुर में ड्यूटी पर तैनात एक आरक्षी की हार्ट अटैक से हुई मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना बदलापुर में तैनात मुख्य आरक्षी लल्लन प्रसाद का ड्यूटी के दौरान हार्टअटैक से निधन हो गया उनके असमायिक दुःखद निधन पर जौनपुर पुलिस परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि दी गई,पुलिस अधीक्षक जौनपुर एवं जौनपुर पुलिस परिवार द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन में मुख्य आरक्षी लल्लन प्रसाद के पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी एवं मौन धारण कर सलामी देकर शोक संवेदना व्यक्त की गयी।

दो दिवसीय दौरे के पहले दिन स्व.पंडित छन्नू लाल मिश्र के आवास पहुंचे सीएम योगी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)।जनपद में सी.एम योगी अपने दो दिवसीय दौरे के पहले दिन देर शाम स्व. पंडित छन्नू लाल मिश्र के आवास सिद्धगीरी

बाग स्थित छोटी गैबी पर परिजनों से मिल दुःख जताया और उन्हें ढांढस बंधाया। स्व.छन्नू लाल की पुत्री प्रोफेसर नम्रता मिश्रा से मिले से भी मुलाकात किया और परिजनों से कहा हम सभी को शास्त्रीय संगीत के धरोहर पंडित छन्नू लाल मिश्र के जाने का दुःख है। सीएम योगी ने इस दौरान मीडिया से बातचीत में कहा कि हम काफी दुःखी हैं और यह एक अपूर्ण छति है।

जौनपुर में कई थाना प्रभारियों का बदला गया कार्य क्षेत्र, कई को मिली नई जगह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। एसपी जौनपुर डॉक्टर कौस्तुभ ने करीब एक दर्जन थाना प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में किया फेरबदल अमरेंद्र कुमार सिंह को इंस्पेक्टर मुंगराबादशाहपुर, किरन कुमार सिंह को इंस्पेक्टर शाहगंज की कमान, दीपेंद्र सिंह को केराकत थाने की कमान, देवानंद रजक को बरसठी थाने की कमान, प्रकाश शुक्ल को जफराबाद थाने की कमान, रमेश कुमार को व.उ.नि. मडियाहूं, प्रदीप कुमार सिंह को खेतासराय थाने की कमान, त्रिवेणी सिंह को प्रभारी एसओजी टीम, रामाश्रय राय को प्रभारी स्वाट मंजय यादव को व.उ.नि.शाहगंज बनाया गया।

विधवा महिला के साथ चार लाख तैतीस हजार की साइबर ठगी

◆ पीड़िता काट रही थाने के चक्कर

शाहगंज(जौनपुर)। पुलिस के लाख प्रयासों और जागरूकता अभियान के बावजूद भोले भाले लोग साइबर ठगी के शिकार हो जा रहे हैं और पुलिस भी कोई ठोस प्रभावी कदम नही उठा पा रही है जिससे साइबर क्राइम पर अंकुश लग सके।

जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम नटोली निवासी मंगीता पत्नी स्व. दिनेश राजभर को बीते अगस्त में एक अज्ञात नम्बर से फोन आया और कहा की आपका तीन लाख रुपया पास हो गया और आपके खाते में भेजा जा रहा है।मगर इसके लिए आपको एक स्कैनर भेजा जा रहा है उस पर आप पांच हजार रुपये

भेज दीजिये ताकि आगे की प्रासेस पूरा कर आपके खाते में रकम भेजी जा सके।मंगीता से सोचा की उसने कई सरकारी योजनाओं का फार्म भरा है उसी का काल आया है।और वह भेजे गए स्कैनर पर पांच हजार रुपये भेज दिए।इसी तरह उक्त अज्ञात साइबर ठग 76 किस्तों में उक्त विधवा महिला से कुल चार लाख तैंतीस हजार आठ सौ रुपये ठग लिए।अपनी ठगी का अहसास होने पर उसके पैरों तले जमीन खिसक गई।

खाने को पड़े लाले, दो बच्चों को लेकर भटक रही पीड़िता

इस सम्बंध में पीड़िता मंगीता ने कहा की घरों में झाड़ू पोछा कर पाई पाई जोड़ कर पैसे जमा किये थे।अब दो बच्चों की लिखाई पढाई के साथ साथ खाने के भी

मंगलवार को मंगीता ने कोतवाली पुलिस को लिखित तहरीर देते हुए कार्यवाई की मांग की जहां पुलिस ने ऑनलाइन कम्प्लेन की बात कही।

जौनपुर में मामूली विवाद में एक व्यक्ति की मारपीट में हुई मौत

गुड़िया बिन्द

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली क्षेत्र के पसेवा गांव में सोमवार की रात एक मामूली विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। शराब के मात्र 100 रुपये को लेकर शुरू हुआ झगड़ा देखते ही देखते मारपीट में तब्दील हो गया जिसमें एक व्यक्ति की जान चली गई। स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर कोतवाली प्रभारी त्रिवेणी सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था,घटना यह है पसेवा गांव निवासी अरविंद चौहान ने सोमवार की शाम अपने ही गांव के अलगू राम को शराब लाने के लिए 100 रुपये दिए थे। बताया जा रहा है कि अलगू शराब नहीं लाया इधर अरविंद ने जब रुपये वापस मांगे तो दोनों के बीच कहासुनी होने लगी विवाद इतना बढ़ा कि अलगू राम ने

गाली-गलौज शुरू कर दी और फिर अरविंद पर जानलेवा हमला कर दिया था जिससे उसकी मौत हो गई। वही उक्त मामले में पुलिस ने बताया कि दिनांक-06.10.2025 को रात्रि 09.00 बजे ग्राम पसेवा अन्तर्गत अरविन्द चौहान नामक व्यक्ति अपने छोटे भाई की पत्नी को गाली दे रहा था कि गांव के मुकेश गौतम द्वारा अरविन्द चौहान को मारा पीटा गया। जिनको परिजनों द्वारा इलाज हेतु सीएचसी केराकत ले जाया गया जहां से अरविन्द चौहान को जिला चिकित्सालय सदर रेफर कर दिया गया जहां पर डाक्टर द्वारा अरविन्द चौहान को मृत घोषित कर दिया, अरविन्द चौहान के शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्यवाही करते हुए, परिजनों से तहरीर प्राप्त कर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर नामजद अभियुक्त को हिरासत पुलिस में लेकर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। उक्त के संबन्ध में क्षेत्राधिकारी केराकत अजीत कुमार रजक ने अपना बयान मीडिया को दिया है।

पाराकमाल में भव्य भंडारे का आयोजन, श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर क्षेत्र के पाराकमाल गांव

स्थित माँ दुर्गा मंदिर पर सोमवार को भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। भक्ति गीतों और माँ दुर्गा के जयकारों के बीच देर रात तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही। सूर्यास्त के बाद शुरू हुए भंडारे में पूड़ी-सब्जी, हलवा सहित विभिन्न व्यंजन परोसे गए। भक्तों ने प्रसाद का आनंद भावपूर्वक लिया। आयोजन में लगभग पंद्रह सौ से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व बीडीसी नंदलाल राजभर ने बताया कि यह वार्षिक आयोजन पाराकमाल की धार्मिक एवं सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गांव के युवाओं और समिति के सदस्यों के सहयोग से आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

भक्ति गीतों के बीच देर रात तक माँ दुर्गा के जयकारे गूंजते रहे। वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। आयोजन में सहयोग देने वालों में कमलेश राजभर, सुरेंद्र कुमार, मीना देवी, राजीव कुमार, डॉ. सुनील कुमार, कपिल राज, जितेंद्र कुमार,आयुष राज, चंदन, धर्मेंद्र कुमार, गुलशन कुमार, धर्मेन्द्र कुमार,संगम कुमार,विनोद, उमेश, संतोष कुमार, बब्लू और नीतीश सहित कई युवाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई।

जौनपुर में विशाल कनौजिया बने समाजवादी मजदूर सभा के जिला महासचिव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की स्वीकृति एवं समाजवादी मजदूर सभा उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के अनुमोदन से, समाजवादी मजदूर सभा उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष धनीलाल श्रमिक की संस्तुति पर, विशाल कनौजिया पुत्र आशु राम कनौजिया को समाजवादी मजदूर सभा, जौनपुर का जिला महासचिव मनोनीत किया गया है। इस मौके पर राष्ट्रीय महासचिव अमित यादव ने विशाल कन्नौजिया को बधाई देते हुए कहा है कि विशाल कनौजिया का संगठन के प्रति समर्पण, निष्ठा और सक्रियता समाजवादी मजदूर सभा को जन-

जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्हें विश्वास है कि उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक सशक्त व संगठित रूप में कार्य करेगा। वही जिला अध्यक्ष मनोज कुमार शर्मा ने नवमनोनीत महासचिव को क्रांतिकारी शुभकामनाएँ देते हुए आशा व्यक्त की है कि वे समाजवादी विचारधारा और आदर्शों को गांव-गांव तक पहुँचाने में अग्रणी भूमिका निभाएँगे।

इस अवसर पर राम प्रताप बिंद, सीमा खान, रमाशंकर चौहान, सादिक अली, साहब लाल गौतम, आनंद पांडे, अमरेंद्र यादव, तौसीफ सिद्दीकी और मेहंदी लाल, मोहम्मद जावेद, अशियम आदि लोगों ने नवनियुक्त जिला महासचिव को बधाई दी है।

सर्किट हाउस के बाहर उमड़ी भीड़, पर इस बार नहीं लगा 'जनता दरबार'

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दो दिवसीय काशी प्रवास के अंतिम दिन सर्किट हाउस के बाहर एक बार फिर फरियादियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बिना किसी पूर्व सूचना के पहुंचे ये लोग अपनी समस्याएँ लेकर मुख्यमंत्री से सीधा संवाद करने की उम्मीद में आए थे। लेकिन इस बार सीएम ने वाराणसी में जनता दरबार न लगाने का निर्णय लिया, जिससे फरियाद लेकर पहुंचे लोगों में निराशा झलकती दिखी।

गुणवत्तापूर्ण सब्जियों के बीजों की उपलब्धता बढ़ाने एवं उद्यमशीलता के लिए विभिन्न जिलों से आये प्रतिभागी हुए जागरूक

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब।भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान शाहंशाहपुर में राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (नास) के वाराणसी चैप्टर द्वारा सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण सब्जियों के बीजों की उपलब्धता बढ़ाने एवं उद्यमशीलता के लिए जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रान्तों के 40 से अधिक कंपनी प्रतिनिधियों, संस्थान के वैज्ञानिकों, शोधार्थियों सहित एक सौ से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. राजेश कुमार ने कहा कि भारत में सब्जी उत्पादन में स्थिरता और उत्पादकता के लिए गुणवत्तापूर्ण बीजों की उपलब्धता अत्यंत जरूरी है। पीपीपी

मॉडल के माध्यम से संस्थान और निजी कंपनियां मिलकर उच्च उत्पादकता एवं रोग प्रतिरोधी किस्मों पर अनुसंधान के माध्यम से किसानों तक उन्नत बीज पहुंचा रहे हैं जिससे सब्जी बीजों में आत्मनिर्भरता बढ़ रही है। कोषाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार दुबे ने अकादमी की प्रमुख गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. नागेन्द्र राय ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता बतायी। कार्यक्रम में आईआईवीआर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस.के. सिंह, डॉ. अनंत बहादुर, डॉ. एन. सिंह, डॉ. नीरज सिंह, तथा नास के डॉ. जगेश कुमार तिवारी, डॉ. डी.पी. सिंह, डॉ. मोहम्मद शहीद, डॉ. राकेश कुमार दुबे सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम सब्जी बीज क्षेत्र में नवीनतम पीपीपी मॉडल के द्वारा गुणवत्ता सुधार एवं किसानों के लिए बेहतर उद्यम अवसरों का सशक्त माध्यम साबित हो रहा है।

फीडर नम्बर 1 काली चौरा में दस से चार विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बुधवार को फीडर नम्बर एक कालीचौरा मे विद्युत आपूर्ति

10 एमबीए ट्रांसफार्मर का होगा मेंटेनेंस कार्य

बाधित रहेगी। उक्त सम्बन्ध में उप खण्ड अधिकारी धर्मेंद्र गुप्ता ने बताया की पावर हाउस में बड़े

ट्रांसफार्मर 10 एम बीए का मेंटेनेंस का कार्य होगा।जिससे मुहल्ला भादी, कालीचौरा, पक्का पोखरा, मिल्लतनगर, खरौना एवं इराकियाना में विद्युत आपूर्ति सुबह दस बजे से शाम चार बजे विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।निर्धारित समय के बाद विद्युत आपूर्ति पुनः की भांति बहाल हो जॉयेगी।

उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ के जिला कार्यकारी अध्यक्ष बने सचिन सिंह मुन्ना

मुंबई। कांग्रेस पार्टी उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश तीर्थराज सिंह द्वारा उत्तर पश्चिम जिला उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ पद वितरण का कार्यक्रम किया गया, जिसमें सचिन सिंह मुन्ना को उत्तर पश्चिम जिला उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ के जिला कार्यकारी अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। उन्हें यह नियुक्ति पत्र मुंबई कांग्रेस की अध्यक्षा सांसद वर्षा गायकवाड तथा अवनीश तीर्थराज सिंह के हाथों प्राप्त हुई। सचिन सिंह मुन्ना ने कहा कि जिले की जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी हमारे प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अवनीश सिंह ने मुझे दी है, मैं कभी भी इन्हें अपने तरफ से कोई शिकायत का मौका नहीं दूंगा। उन्होंने कहा कि मैं पूरी ताकत के साथ कांग्रेस पार्टी को मजबूत तथा संगठन को बढ़ाने में सक्रिय भूमिका अदा करूंगा और आने वाले दिनों में संगठन में एक नई ताकत और नई ऊर्जा के साथ अच्छे कार्यकताओं को संगठन से जोड़कर कांग्रेस को जमीनी स्तर पर मजबूत करूंगा। उन्होंने कहा कि आज के 10 साल पहले उत्तर भारतीय समाज जिस तरह से कांग्रेस से कंधे से कंधा मिलाकर चलता था ,वही ताकत फिर उत्तर पश्चिम जिला में दिखाएंगे। इस मौके पर सचिन सिंह मुन्ना के सैकड़ों समर्थक उपस्थित रहे।

ऐप आधारित टैक्सी संस्थानों को यात्रियों और ड्राइवरों को केंद्र में रखकर कारोबार करना चाहिए: प्रताप सरनाईक

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मुंबई गत 7 अक्टूबर अगले 3 दिनों में ऐप आधारित टैक्सी, रिक्शा और ई-बाइक टैक्सी के लिए कृषि नीति की घोषणा की गई है और यात्रियों और ड्राइवरों की कई समस्याओं को हल करने की कोशिश की गई है। भविष्य में ऐप-आधारित टैक्सी, रिक्शा और ई-बाइक सेवा प्रदान करने वाले संस्थानों को व्यवसाय करते समय यात्रियों और ड्राइवरों को केंद्र में रखना चाहिए, न कि अपना व्यवसाय लूटकर अपना व्यवसाय बढ़ाना चाहिए। ब्लॉगर द्वारा संचालित. वह मंत्रालय में इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप-बेस ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यूनियन (आईएफएटी) की बैठक में बोल रहे थे। बैठक में परिवहन राज्य मंत्री श्रीमती ने भाग लिया। माधुरी मिसाल, परिवहन आयुक्त विवेक भीमनवार, सह-सचिव (परिवहन) किरण होल्कर सह-अध्यक्ष प्रशांत सावरदकर और उनके प्रतिनिधि।

इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री सरनाईक ने कहा, हमें ऐप आधारित टैक्सियों, रिक्शा और ई-बाइक टैक्सी सेवाओं के संस्थानों के बारे में यात्रियों और ड्राइवरों से कई शिकायतें मिली हैं। समय-समय पर यह निष्कर्ष निकाला गया है कि इनमें से कुछ संस्थान लाभ के नाम पर यात्रियों और ड्राइवरों को आर्थिक रूप से लूट रहे हैं। इसके लिए, अनुबंध नीति में महत्वपूर्ण सुधार शामिल हैं, जिसमें निश्चित नियम शामिल हैं, और ड्राइवर को आय का 5% रिटर्न मिलेगा। इस नीति से ऐप आधारित टैक्सी, रिक्शा और ई-बाइक टैक्सी संचालन करने वाले संगठनों पर सरकार की लगाम लगेगी। इससे यात्रियों और इस संस्था में काम करने वाले ड्राइवरों को न्याय मिलेगा. सरकार राज्य में बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए समझौता नीति के माध्यम से बेरोजगार युवाओं को ऐप-आधारित टैक्सी, रिक्शा और ई-बाइक सेवाओं की छत के नीचे लाने की कोशिश कर रही है। इसलिए इस बिजनेस को एक निश्चित दिशा मिलेगी. इससे यात्रियों को बेहतरीन सुविधाएं तो मिलेंगी ही, साथ ही ड्राइवर के अधिकारों और अधिकारों की रक्षा का अधिकार भी मिलेगा। इसे मंत्री सरनाईक ने प्रस्तुत किया।

व्यवसाई को चाकू मार किया जख्मी, प्राथमिकी दर्ज

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज थाना क्षेत्र के अफराद मोड पर व्यवसाई को जान से मारने की नियत से चाकू मार घायल करने के मामले में पीड़ित के आवेदन पर महाराजगंज थाना में दो नामजद तथा दो अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हो गई है। इस संबंध में थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि पीड़ित गोरियाकोठी थाना क्षेत्र के शंभू सरेया गांव निवासी ध्रुप सागर सिंह के पुत्र मुन्ना कुमार सिंह है।मुन्ना के साथ मारपीट कर जान से मारने का परस किया गया था। पीड़ित मुन्ना सिंह जख्मी है उसका इलाज सीवान अस्पताल में चल रहा है। थाना में दिए गए आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। थाना क्षेत्र के माघी गांव निवासी विनय सिंह के पुत्र अंकित कुमार सिंह, स्व.सतेंद्र सिंह के पुत्र चंदन कुमार सिंह सहित दो अज्ञात के खिलाफ थाना कांड संख्या 495/25 दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की करवाई किया जारहा है। पीड़ित ने अपने दिए आवेदन में कहा है कि 1 अक्टूबर की रात्रि में करीब 11.30 बजे मै अफराद मोड़ स्थित अपनी दुकान बंद कर घर जा रहा था तभी चौक से पश्चिम गुड्डू चाट कॉर्नर के सामने स्टेट हाइवे पर अंकित कुमार सिंह, चंदन कुमार सिंह सहित दो अज्ञात अपराधियों ने जान से मारने की नियत से दो चाकू मार कर घायल कर दिया।

चोरी के सामान के साथ दो गिरफ्तार

आमिलो। मुबारकपुर थाना क्षेत्र के ग्राम गजहड़ा मोड़ से पुलिस ने सोमवार दोपहर लगभग ढाई बजे दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी का सामान बरामद किया। लोहरा चौकी प्रभारी प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्तियों में मऊ जिले के थाना कोतवाली मोहम्मदाबाद गोहना के फरीदपुर का पंकज गुप्ता 35 और अभय गोड़ 21 शामिल हैं। दोनों के पास से दो अदद 315 बोर का तमंचा, दो अदद कारतूस, पांच टैबलेट, एक बैग, एक लोहे की रॉड, एक हथौड़ा, एक वायर कटर, तीन चार्जर, एक नग मंगलसूत्र और चोरी के दो हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं। रिपोर्ट दर्ज कर मामले में जांच शुरू कर दी गई है।

ओपीडी में समय से नहीं बैठते जिला अस्पताल के चिकित्सक

बलरामपुर। जिला अस्पताल में सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलने वाली ओपीडी व्यवस्था मरीजों के लिए मुसीबत बनी है। अमर उजाला की पड़ताल में पाया गया कि अधिकांश डॉक्टर समय पर ओपीडी में नहीं बैठ रहे हैं। इसके कारण इलाज के लिए अस्पताल आने वाले मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। सोमवार को सुबह नौ बजे की गई पड़ताल में आर्थो विभाग और सर्जरी विभाग के अलावा नेत्र विभाग के डॉक्टरों को छोड़कर कोई अन्य डॉक्टर अपने कक्षों पर मौजूद नहीं पाया गया। दूर-दराज से आए मरीजों को इंतजार करना पड़ा। पड़ताल के दौरान निजामाबाद के हरेंद्र आयुष्मान कार्ड रजिस्ट्रेशन के लिए सुबह से खड़े मिले। उन्होंने बताया कि वह सुबह 8 बजे से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार डॉक्टर समय पर नहीं पहुंचा। इसी तरह, चंदेश्वर के गौरव अपनी स्किन संबंधी समस्या के लिए डॉ. पूनम कुमारी के कक्ष के बाहर लंबे समय से खड़े थे। निजामाबाद की रेनू डॉ. नवनीत गुप्ता को शरीर में सूजन की शिकायत होने पर दिखाने आई थीं, लेकिन डॉक्टर के न पहुंचने से उन्हें इधर-उधर भटकना पड़ा। वहीं, संतोष दलाल घाट को अपनी समस्या के लिए डॉक्टर पासवान (ईएनटी) के सामने खड़े होकर इंतजार करते मिले।

जहां छत्रपति शिवाजी का आशीर्वाद, वहीं शुरू हुआ 'अन्नपूर्णा अन्नक्षेत्र'

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। काशी, जिसे स्वयं भगवान शिव की नगरी कहा गया है, जहां धर्म और कर्म दोनों का संगम होता है, वहीं आज एक और पवित्र परंपरा जुड़ गई – सेवा की। पंचगंगा घाट स्थित बिन्दु माधव मंदिर, जिसे छत्रपति शिवाजी महाराज ने स्वयं स्थापित कराया था, आज श्रद्धा, भक्ति और मानवता की भावना से आलोकित हो उठा। यहां बिन्दु माधव देवस्थान ट्रस्ट द्वारा आयोजित दिव्य कार्तिक मास महोत्सव का भव्य शुभारंभ शरद पूर्णिमा (7 अक्टूबर) से हुआ, जो कार्तिक पूर्णिमा (5 नवम्बर) तक चलेगा।

इस पावन अवसर पर शहर दक्षिणी विधायक एवं पूर्व मंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी ने दीप प्रज्ज्वलन कर बिन्दु माधव अन्नपूर्णा अन्नक्षेत्र का उद्घाटन किया और स्वयं अपने हाथों से श्रद्धालुओं को भोजन परोसा – जैसे काशी की परंपरा ही साकार हो उठी हो, जहां ह्यअतिथि देवो भवः केवल वाक्य नहीं, बल्कि जीवन-चर्या है। इस मौके पर डॉ. नीलकंठ तिवारी ने कहा अन्नदान को सर्वश्रेष्ठ दान कहा गया है। काशी की यह विशेषता है कि यहां कोई भूखा नहीं सोता। यह नगरी अध्यात्म के साथ-साथ आतिथ्य की भी प्रतीक है। यहां पहले अतिथि को भोजन कराया जाता है, उसके बाद स्वयं भोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि बिन्दु माधव देवस्थान ट्रस्ट द्वारा आरंभ किया गया यह अन्नक्षेत्र वास्तव में सेवा को साधना के रूप में स्थापित करने वाला कार्य है। डॉ. तिवारी ने इसे अद्भुत और प्रेरणादायी पहल बताया, जो आने वाले समय में हजारों तीर्थयात्रियों, साधु-संतों और काशी में वैदिक अध्ययन के लिए आने वाले विद्यार्थियों को पोषण और आत्मीयता दोनों का संबल प्रदान करेगी। बिन्दु माधव मंदिर की स्थापना मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा की गई थी। जब औरंगजेब के काल में काशी के प्राचीन मंदिरों को तोड़ा गया, तब शिवाजी ने धर्म और स्वाभिमान की रक्षा के लिए यह मंदिर स्थापित कराया।

यह मंदिर केवल ईश्वर आराधना का केंद्र नहीं, बल्कि हिंदवी स्वराज्य की सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक रहा है। यह वही स्थान है जहां मराठा सेना के सैनिक काशी आकर पूजा करते थे, जहां श्रद्धा के साथ सेवा का भाव भी था। आज उसी परंपरा को पुनर्जीवित करते हुए अन्नदान की धारा फिर प्रवाहित हुई है। बिन्दु माधव अन्नक्षेत्र इस बात का जीवंत प्रमाण है कि शिवाजी महाराज की धर्म-सुरक्षा और लोकसेवा की भावना आज भी जीवित है। ट्रस्ट के अध्यक्ष आचार्य मुरलीधर पटवर्धन ने बताया कि मंदिर में प्रतिदिन देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु और तीर्थयात्री दर्शन के लिए आते हैं। कई बार बाहर से आने वाले यात्रियों को भोजन की कठिनाई का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा भगवान बिन्दुमाधव की कृपा और छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रेरणा से आज वह दिन आ ही गया, जब हम सभी के सहयोग से निशुल्क अन्नक्षेत्र आरंभ हो सका। यह कार्य केवल सेवा नहीं, बल्कि ईश्वर की भक्ति का विस्तार है। उन्होंने बताया कि इस अन्नक्षेत्र से बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के साथ-साथ सन्यासी, ब्रह्मचारी और वे छात्र जो वैदिक शिक्षा के लिए काशी आते हैं, उन्हें निःशुल्क भोजन की सुविधा प्राप्त होगी। उनका कहना था कि अन्नक्षेत्र से भिक्षा नहीं, बल्कि आशीर्वाद वितरित होगा।

पीएनजी ज्वेलर्स की तरफ से दीवाली के अवसर पर विशेष फेस्टिव ऑफर्स

मुंबई। भारत के विश्वसनीय संगठित पारिवारिक ज्वेलर, पीएनजी ज्वेलर्स को अपनी भव्य दिवाली अभियान की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह अभियान २२ सितंबर से शुरू होगा और २६ अक्टूबर २०२५ तक चलेगा। इस अभियान के कारण ग्राहकों को अत्यंत आकर्षक कीमतों पर उत्कृष्ट आभूषण घर लाने का एक अनूठा अवसर मिलेगा, जिससे यह त्योहारी सीजन और भी यादगार बनेगा, इसमें कोई संदेह नहीं है। इस दिवाली अभियान के तहत, ग्राहक सोने के आभूषणों की मेकिंग चार्ज पर ५० प्रतिशत तक की छूट और हीरे के आभूषणों की मेकिंग चार्ज पर १०० प्रतिशत तक की छूट के साथ-साथ पुराने सोने के बदले ० प्रतिशत कटौती (जीरो प्रतिशत डिडक्शन) जैसी विशेष ऑफर्स का लाभ उठा सकते हैं। ये ऑफर्स पीएनजी ज्वेलर्स के सभी स्टोर्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगे, जिससे अतुलनीय कारीगरी के कालातीत आभूषणों के साथ त्योहार का आनंद मनाना चाहने वाले आभूषण प्रेमियों के लिए सुगमता और सुविधा सुनिश्चित होगी। इस अभियान के बारे में बात करते हुए, पीएनजी ज्वेलर्स के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, डॉ. सौरभ गाडगीळ ने कहा, दीवाली प्रकाश, समृद्धि और एकजुटता का त्योहार है। पीढ़ियों से पीएनजी ज्वेलर्स पर विश्वास रखने वाले हमारे ग्राहकों के साथ इस त्योहार को मनाना हमारे लिए हमेशा एक खास अवसर होता है। यह हमारे आभूषणों को अधिक सुलभ बनाकर, सर्वोत्तम मूल्य प्रदान करते हुए, त्योहार की खुशियाँ फैलाने का हमारा तरीका है। परंपरा, सौंदर्य और किफायती कीमतों के सही संगम का अनुभव करने के लिए हम अपने ग्राहकों का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

अब सिल्क सिटी में ही मिलेगा कोटा कोचिंग के एक्सपर्ट फैकल्टीज का मार्गदर्शन

भागलपुर(उत्तरशक्ति)। कॅरियर सिटी कोटा के सबसे बड़े एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट ने बिहार की राजधानी पटना में अपनी स्थापना के सफलतम एक वर्ष पूरा करने के साथ ही राज्य के एक और प्रमुख शहर सिल्क सिटी भागलपुर में सेवाओं के विस्तार की घोषणा की है। यह घोषणा मंगलवार को होटल वैभव में आयोजित उद्घाटन समारोह में की गई। देश में मेडिकल व इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं के साथ-साथ साइंस ओलंपियाड की तैयारियों के लिए ख्याति प्राप्त कोटा के एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट की भागलपुर में शुरूआत से स्थानीय अभिभावकों व विद्यार्थियों में उत्साह है। इस घोषणा के साथ ही एलन भागलपुर में वर्ष 2026-27 से मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी, इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई मेन-एडवांस्ड एवं कक्षा 6 से 10 (जूनियर डिवीजन) नेशनल व इंटरनेशनल ओलंपियाड कोर्सेज के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। कक्षाएं जनवरी माह से शुरू होंगी। भागलपुर में सैकेंड फ्लोर भगवती कंट्रीयार्ड एमजी रोड पर एडमिशन ऑफिस शुरू किया गया है। इसके साथ ही सी-4 सीपी, जिला परिषद मार्केट, सत्संग, कचहरी रोड, वी-मार्केट के निकट तिलक नगर, चित्रगुप्त नगर बेगुसराय में क्लासरूम कैम्पस होगा। यहां जनवरी माह से कक्षाएं शुरू होंगी। इसके अलावा एलन द्वारा 10वीं बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए बोर्ड मास्टर स्ट्रोक प्रोग्राम की शुरूआत की जा रही है जो कि 20 नवंबर से प्रारंभ होगा। कोर्स की अवधि 80 दिन होगी। उद्घाटन समारोह में जोनल हैड एवं वाइस प्रेसिडेंट डॉ. विपिन योगी मुख्य अतिथि रहे। इसके साथ ही जेईई डिवीजन के जोनल हैड कपिल बिरथरे, नीट डिवीजन के जोनल हैड हेमंत योगी, जूनियर डिवीजन के जोनल हैड विशाल केजरीवाल, एलन पटना के सेंटर हैड चेतन शर्मा एवं एलन कोटा के एक्सपर्ट फैकल्टीज एवं अधिकारी मौजूद रहे। समारोह में स्टूडेंट्स व पेरेन्ट्स की मौजूदगी में पोस्टर का विमोचन किया गया। इस मौके पर शहर के प्रमुख शिक्षाविद एवं एलन कोटा से पूर्व में पढ़ चुके भागलपुर मेडिकल कॉलेज में अध्ययनरत विद्यार्थी शामिल हुए। उन्होनें एलन के बारे में अपने अनुभव साझा किए। श्यामानंद श्याम जो कि पिछले 22 वर्षों से एलन में कैमिस्ट्री पढ़ा रहे हैं और उनके पढ़ाए हुए सैंकड़ों स्टूडेंट्स टॉप 100 में रैंक हासिल कर चुके हैं। उनको एलन भागलपुर का सेंटर हेड बनाया गया है। यहां कोटा की एक्सपर्ट फैकल्टीज के द्वारा ही अध्यापन कार्य होगा। एलन में प्रवेश के इच्छुक स्टूडेंट्स एलन स्पार्क एग्जाम में शामिल होकर एलन फीस में 90 प्रतिशत तक की स्कॉलरशिप प्राप्त कर सकते हैं।

आगामी विस चुनाव को लेकर प्रशासन ने निकाला फ्लैग मार्च

-वकील प्रसाद

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज थाना क्षेत्र में विधानसभा चुनाव को लेकर सुरक्षा व्यवस्था और शांति बनाए रखने के उद्देश्य से महाराजगंज के एसडीपीओ अमन कुमार , के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च महाराजगंज थाना परिसर से शुरू होकर कपूरी चौक शहीद फुलेना स्मारक चौक, सिहोता हल्दी हाट चौक, सिहोता शिवमन्दिर, महामाया चौक, मौनिया बाबा समाधि चौक,शाहिद रामलखन सिंह चौक से नखास चौक सहित कई संवेदनशील और भीड़-भाड़ वाले इलाकों से होकर गुजरा। फ्लैग मार्च के दौरान नागरिकों को संदेश दिया गया कि किसी भी व्यक्ति को कानून-व्यवस्था व शांति भंग करने की किसी सूरत में इजाजत नहीं है। फ्लैग मार्च में एस आई, अमरेंद्र कुमार, सीओ जितेंद्र कुमार, महिला एस आई नंदनी कुमारी, एस आई प्रशांत कुमार समेत आई टी बीपी के सैकड़ों जवान शामिल थे, अन्य पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल के जवान शामिल थे, एसडीपीओ अमन कुमार ने कहा इस प्रकार के अभियान ना सिर्फ अपराधी तत्वों में भय पैदा करते हैं, बल्कि आमजन में सुरक्षा की भावना और पुलिस के प्रति विश्वास कायम करते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने या माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

महाराजगंज में पहले चरण में होगा मतदान, 10 को जारी होगी अधिसूचना,17 तक नामांकन व 6 नवंबर को मतदान

-वकील प्रसाद

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडल क्षेत्र में इस बार पहले चरण में विधानसभा चुनाव होने जा रहा है। इसके लिए जिला प्रशासन के निर्देश पर अनुमंडल क्षेत्र के लिए प्रशासन ने पूरी तैयारी शुरू कर दी है। शुक्रवार 10 अक्टूबर को अधिसूचना जारी होगी, जिसके बाद 17 अक्टूबर तक नामांकन पत्र दाखिल किए जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 18 अक्टूबर (शनिवार) को की जाएगी, जबकि नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर तय की गई है। मतदान 6 नवंबर (गुरुवार) को होगा। इस दौरान प्रशासन ने मतदाताओं से निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। एस डी एम अनीता सिन्हा, एसडीपीओ अमन कुमार ने संयुक्त रूप से प्रेस रिलीज कर पत्रकारों को चुनाव से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। एसडीएम ने बताया कि महाराजगंज विधानसभा सीट 112 पर सियासी हलचल तेज हो गई है। चुनाव आयोग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, इस सीट पर कुल 3,15,954 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें 1,63,771 पुरुष और 1,52,183 महिलाएं मतदाता शामिल हैं। लिंग अनुपात 929 है, यानी हर 1000 पुरुषों पर 929 महिलाएं मतदान के योग्य हैं। पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में इस बार 13,168 नए वोटर जुड़े हैं। 2020 में कुल 3,02,786 मतदाता थे। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 दो चरणों में संपन्न होंगे। पहले चरण का मतदान 6 नवंबर को और दूसरे चरण का मतदान 11 नवंबर को होगा। वहीं, 14 नवंबर को मतगणना की जाएगी।

कल से शुरू होगा फेस्टिव दशहरा फेयर 2025, आत्मनिर्भर बिहार की दिशा में एक सशक्त कदम

पटना (उत्तरशक्ति)। बिहार की सांस्कृतिक और उद्यमशीलता भावना को नई दिशा देने के उद्देश्य से विद्याधारा सबल भारत फाउंडेशन द्वारा फेस्टिव दशहरा फेयर 2025 झ ग्रैंड धनतेरस-दिवाली डील का आयोजन 9 अक्टूबर 2025 को अवसर हॉल, कंकड़बाग, पटना में किया जा रहा है। यह आयोजन सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक सशक्तिकरण का एक अनोखा संगम होगा, जिसका मुख्य उद्देश्य फाउंडेशन के मिशन हर घर रोजगार को आगे बढ़ाते हुए बिहार के युवाओं, महिलाओं और स्थानीय उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाना है। मेले में बिहार सहित विभिन्न राज्यों के पारंपरिक उत्पाद, हस्तशिल्प, फेस्टिव आइटम्स और दिवाली-धनतेरस से जुड़े स्टॉल लगाए जाएंगे, जिससे स्थानीय व्यापार और स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम की भव्य उद्घाटन संध्या में ओ वूमनिया संस्था के तत्वावधान में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कलाकार एवं एंकर रुबी खातून के नेतृत्व में संगीतमय प्रस्तुति स्वरांजली झ याद शारदा जी की आयोजित की जाएगी। यह प्रस्तुति बिहार की स्वर कोकिला स्वर्गीय शारदा सिन्हा जी को समर्पित होगी। इस अवसर पर राज्य के लोक कलाकार लोकगीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से बिहार की लोक-संस्कृति को जीवंत करेंगे। कार्यक्रम के समापन सत्र में एक विशेष रैंप वॉक और एक्सपो प्रदर्शन का आयोजन होगा, जिसमें विभिन्न उत्पादों, महिला उद्यमियों और स्टार्टअप्स की उपलब्धियों का प्रदर्शन किया जाएगा। फाउंडेशन की निदेशक श्रीमती मीनम संजीव कुमार ने कहा कि, फेस्टिव दशहरा फेयर 2025 केवल एक सांस्कृतिक उत्सव नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर बिहार की दिशा में ठोस कदम है। हमारा उद्देश्य समाज के हर वर्ग को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित करना है। इस अवसर पर वी. एम. झा (आईईडीएस सेवानिवृत्त, एमएसएमई मंत्रालय), इशरत (उद्यमी), निभा, सोनम, और जयेंद्र भट्ट जैसे प्रतिष्ठित अतिथि एवं उद्यमी भी मौजूद रहेंगे, जो इस पहल के माध्यम से बिहार के विकास में नए आयाम जोड़ने पर चर्चा करेंगे।

उद्योगपति एवं समाज सेवी पंकज मिश्रा ने अपने जन्म दिन पर दिए उपहार

ठाणे (उत्तरशक्ति)। ठाणे महाराष्ट्र से लेकर उत्तर प्रदेश तक समाज सेवा में अग्रणीय स्थान रखने वाले उद्योगपति एवं सामाज सेवी पंकज मिश्रा ने आश्रम एवं आदिवासी विद्यालय में बच्चों के बीच जाकर उन्हें उपहार वितरण किया। साद्विक विचार के धनी पंकज मिश्रा ने बताया की जन्म दिन के दिन सुबह सपरिवार मुंबा देवी मंदिर दर्शन के उपरांत ठाणे स्थित जय भोला आश्रम जाकर संत समाज के जयंती महाराज एवं अन्य महात्माओं से मिलकर आशीर्वाद लिए उसके बाद ओला स्थित आदिवासी विद्यालय में जाकर बच्चों को उपहार वितरण किये।

ठाणे स्थित कार्यालय में उपस्थित लोगों के बीच उन्होंने बताया की आज उन्होंने, मुन्ने बच्चों के बीच जाने पर उनके चेहरे पर जो खुशी देखी मै भाव विभोर हो गया।

सादगी भरे मनाये गए जन्म दिन में दोपहर के बाद जन्म दिन की बधाई देने वालो का ताता लगा रहा जिसमें वरिष्ठ समाज सेवक रत्नाकर मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार महेंद्र पाण्डेय, संतोष मिश्रा, पत्रकार अनिल शुक्ला, भाजपा नेता संदीप तिवारी, सुरेंद्र तिवारी, रवि शंकर तिवारी, सालिक राम तिवारी, कैलाश तिवारी, साहब लाल, रत्नेश के साथ साथ भारी संख्या में लोगों ने जन्म दिन की बधाई दी।

जन्म दिन की बधाई देने के बाद वरिष्ठ पत्रकार महेंद्र पाण्डेय ने कहा की पंकज मिश्रा महाराष्ट्र से लेकर उत्तर प्रदेश तक हमेशा धर्म कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते है और यही अपना धर्म समझते है।

राष्ट्रीय लाल साहित्य साधना मंच की महाराष्ट्र अध्यक्ष बनीं श्रीमती नीलिमा पाण्डेय

मुंबई। साहित्यिक एवं सामाजिक राष्ट्रीय लाल साहित्य साधना मंच ग्वालियर मध्य प्रदेश के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रमोद पल्लवित ने विगत दिनों मुंबई में साहित्य उत्थान हेतु विचार गोष्ठी रखी। जिसमें राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों से ऑनलाइन विचार विमर्श करने के पश्चात संस्था के विस्तार पर निर्णय लिया।मध्य प्रदेश इकाई और उत्तर प्रदेश इकाई के बाद अब महाराष्ट्र इकाई का गठन करते हुए मुंबई की लब्धप्रतिष्ठ कवयित्री लेखिका शिक्षाविद नीलिमा पाण्डेय को महाराष्ट्र इकाई का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया। डॉ प्रमोद ने बताया कि राष्ट्रीय लाल साहित्य साधना मंच ग्वालियर मध्य प्रदेश साहित्य संवर्धन के लिए दृढ़ संकल्पित है जो नए रचनाकारों को प्रोत्साहित कर मंच पर प्रदान करना संस्था के मूल उद्देश्य के साथ और वरिष्ठ साहित्यकारों के मार्ग दर्शन से संस्था निरंतर तीव्र गति से अग्रसर हो रही है। नीलिमा पाण्डेय के चयन से संस्था निश्चित रूप से अपने मंतव्य को साकार करेगी। महाराष्ट्र मराठी भाषी बाहुल्य क्षेत्र है। इसमें हिन्दी भाषी लोगों की संख्या भी कम नहीं है श्रेष्ठ रचनाकारों के सहयोग से संस्था महाराष्ट में हिन्दी भाषा को और संवृद्ध सुदृढ़ बनाने में मनोयोग से कार्य करने में सक्षम होगी। श्रीमती नीलिमा पाण्डेय के महाराष्ट्र अध्यक्ष बनाए जाने पर शुभचिंतकों ने शुभकामनाएं एवं बधाइयां दीं।

निजीकरण नहीं, जनसेवा चाहिए, संघर्ष समिति का हुंकार

वाराणसी के चिंतन मंथन शिविर में बिजलीकर्मियों ने ठोकी ताल, बोले–निजी घरानों को नहीं सौपेंगे प्रदेश की रोशनी, जेल भरो आंदोलन की तैयारी का आह्वान

-सुरेश गांधी

वाराणसी. वाराणसी की धरती पर मंगलवार को बिजलीकर्मियों का गुस्सा, चेतावनी और संकल्प–तीनों एक साथ दिखाई दिए। उत्तर प्रदेश विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने यहां आयोजित ह्लचिंतन मंथन शिविर ह्न संदर्भ निजीकरणह्ल में साफ कहा कि बिजली विभाग का निजीकरण प्रदेश के ऊर्जा तंत्र को कमजोर करेगा और लाखों कर्मचारियों के भविष्य को अंधेरे में झोंक देगा। शिविर में पावर कॉर्पोरेशन के निजीकरण विकल्पों को खारिज करते हुए अभियंताओं ने नारा बुलंद किया – ह्लनिजीकरण किसी कीमत पर नहीं, संघर्ष जारी रहेगा!ह्ल शिविर से पहले संघर्ष समिति की वाराणसी इकाई की कोर मीटिंग हुई, जिसमें ई. शैलेन्द्र दुबे, जितेंद्र सिंह गुर्जर, माया शंकर तिवारी, अंकुर पांडेय और ए.पी. शुक्ला जैसे वरिष्ठ पदाधिकारियों ने रणनीति तय की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जैसे ही सरकार निजीकरण का टेंडर जारी करेगी, ह्लसामूहिक जेल भरो आंदोलनह्ल शुरू किया जाएगा। संघर्ष समिति ने यह भी दोहराया कि 314 दिनों से जारी यह आंदोलन तभी खत्म होगा, जब निजीकरण का फैसला पूरी तरह वापस लिया जाएगा। शिविर की अध्यक्षता अखिल भारतीय पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के चेयरमैन ई. शैलेन्द्र दुबे ने की। उन्होंने कहा कि पावर कॉर्पोरेशन के चेयरमैन डॉ. आशीष गोयल द्वारा सुझाए तीन विकल्प – निजी कंपनी की नौकरी जॉइन करना, अन्य निगमों में स्थानांतरण लेना, या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति स्वीकार करना – बिजली कर्मचारियों के भविष्य को खत्म करने की चाल है। उन्होंने कहा कि ह्लये विकल्प नहीं, फंदे हैं। अगर इन्हें स्वीकार किया गया तो आने वाली पीढ़ियां असुरक्षा और बेरोजगारी के अंधेरे में चली जाएंगी।ह्ल दुबे ने आगे

कहा कि निजीकरण के बाद न तो स्थायी रोजगार बचेगा, न सेवा सुरक्षा। जनता को भी मंहगी बिजली और घटिया सेवा का ही सामना करना पड़ेगा।

संविदाकर्मियों के हित में भी उठी आवाज – दुर्घटना मुआवजा की मांग

बैठक में संविदा बिजलीकर्मियों की सुरक्षा का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। समिति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की कि संविदाकर्मियों को भी होमगार्ड और सफाईकर्मियों की तरह विद्युत दुर्घटना की स्थिति में ?35 से ?40 लाख रुपये तक मुआवजा दिया जाए। नेताओं ने कहा कि ह्लजब ये कर्मचारी रात-दिन बिजली व्यवस्था संभालते हैं, जान जोखिम में डालकर पोल पर चढ़ते हैं, तो उन्हें भी समान सुरक्षा का अधिकार मिलना चाहिए।

निजी फ्रेंचाइजी को लेकर आक्रोश, अभियंताओं में उबाल

शिविर के दौरान यह जानकारी सामने आते ही कि पश्चिमांचल और मध्यांचल के बड़े शहरों में ह्लअर्बन डिस्ट्रीब्यूशन फ्रेंचाइजीह्ल लागू होने जा रही है, अभियंताओं में भारी नाराजगी फैल गई। शैलेन्द्र दुबे ने कहा कि ह्लवर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग सिस्टमह्ल लागू होने वाले सभी शहरों में फ्रेंचाइजी टेंडर भी पूर्वांचल और दक्षिणांचल निगमों के निजीकरण टेंडर के साथ ही जारी किए जाने की तैयारी है। उन्होंने कहा – यह जनता की बिजली व्यवस्था को कॉरपोरेट घरानों के हवाले करने की साजिश है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अभियंता संकल्प लें तो निजी घरानों की नहीं चलेगी : जितेंद्र सिंह गुर्जर

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत परिषद अभियंता संघ के महासचिव जितेंद्र सिंह गुर्जर ने कहा कि यह शिविर अभियंताओं को निर्णायक संघर्ष के लिए प्रशिक्षित करने का एक कदम है। उन्होंने बताया कि इसी तरह के पांच चिंतन मंथन शिविर डिस्कॉम स्तर पर आयोजित किए जा रहे हैं ताकि संगठनात्मक मजबूती बढ़े। गुर्जर ने कहा –अगर अभियंता संकल्प लेकर आगे आएं तो पॉवर सेक्टर में निजी घरानों को रोकना कोई कठिन काम नहीं। यह आंदोलन अब निर्णायक चरण में प्रवेश कर चुका है। शिविर में अभियंता संघ के उपाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह, संगठन सचिव जगदीश पटेल, सहायक सचिव पुष्पेंद्र सिंह, क्षेत्रीय सचिव उपेन्द्र चौरसिया, पंकज कुमार, जिवेश नंदन, शिवम रंजन, शशि कुमार सिंह, वीरेंद्र सिंह, नरेन्द्र वर्मा सहित बड़ी संख्या में अभियंता मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि प्रदेश की रोशनी जनता की है, न कि किसी निजी कंपनी की पूंजी की।

उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ के जिला कार्यकारी अध्यक्ष बने सचिन सिंह मुन्ना

मुंबई। कांग्रेस पार्टी उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश तीर्थराज सिंह द्वारा उत्तर पश्चिम जिला उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ पद वितरण का कार्यक्रम किया गया, जिसमें सचिन सिंह मुन्ना को उत्तर पश्चिम जिला उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ के जिला कार्यकारी अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। उन्हें यह नियुक्ति पत्र मुंबई कांग्रेस की अध्यक्षा सांसद वर्षा गायकवाड तथा अवनीश तीर्थराज सिंह के हाथों प्राप्त हुई। सचिन सिंह मुन्ना ने कहा कि जिले की जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी हमारे प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अवनीश सिंह ने मुझे दी है, मैं कभी भी इन्हें अपने तरफ से कोई शिकायत का मौका नहीं दूंगा। उन्होंने कहा कि मैं पूरी ताकत के साथ कांग्रेस पार्टी को मजबूत तथा संगठन को बढ़ाने में सक्रिय भूमिका अदा करूंगा और आने वाले दिनों में संगठन में एक नई ताकत और नई ऊर्जा के साथ अच्छे कार्यकताओं को संगठन से जोड़कर कांग्रेस को जमीनी स्तर पर मजबूत करूंगा। उन्होंने कहा कि आज के 10 साल पहले उत्तर भारतीय समाज जिस तरह से कांग्रेस से कंधे से कंधा मिलाकर चलता था ,वही ताकत फिर उत्तर पश्चिम जिला में दिखाएंगे। इस मौके पर सचिन सिंह मुन्ना के सैकड़ों समर्थक उपस्थित रहे।

एंटी करप्शन क्राइम ऑफ इंडिया की ओर से शोक व्यक्त

देवरिया (उत्तरशक्ति)। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनदयाल गुप्ता के पूज्य पिता त्रिलोकनाथ गुप्ता का 01 अक्टूबर को असामयिक निधन हो गया। पिछले एक महीने से उनका स्वास्थ्य अत्यंत नाजुक चल रहा था, और उन्होंने अस्पताल में अंतिम सांस ली। तत्पश्चात उनके पार्थिव शरीर को उनके निवास स्थान ग्राम जगत माझा, जिला देवरिया लाया गया। जहां से वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। श्री गुप्ता समाजसेवा और मानव कल्याण के प्रतीक रहे। वह सदैव भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्षरत रहे और अन्याय के विरोध में निर्भीक होकर आवाज उठाते रहे। गरीबों, पीड़ितों एवं जरूरतमंदों के सहयोग के लिए उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन एवं आदर्शों से आज एंटी करप्शन क्राइम ऑफ इंडिया (भ्रष्टाचार मुक्त भारत) संस्था निरंतर आगे बढ़ रही है और समाज में ईमानदारी एवं न्याय की अलख जगा रही है। उनके निधन से पूरा परिवार, संस्था के सभी सदस्य तथा समाज के शुभचिंतक गहरे शोक में हैं।

पुलिस ने 24 घंटे के अंदर अपहृता व अपहरणकर्ता को बरामद कर किया गिरफ्तार

आजमगढ़। दीदारगंज थाना अंतर्गत वादिनी मुकदमा के लिखित तहरीर दिया कि 03 अक्टूबर को शाम लगभग 04.00 बजे शिवम पुत्र विजय कुमार ग्राम पुरन्दरपुर थाना सरायमीर आजमगढ़ द्वारा वादिनी की पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले जाने व अपने घर पर रखने तथा वादिनी द्वारा बातचीत करने के प्रयास पर गाली गलौज व मारपीट के लिए उतारू हो गया। के सम्बन्ध मे मु0अ0स0 276/25 धारा 87,137(2),352,131 BNS बनाम शिवम पुत्र विजय कुमार निवासी पुरन्दरपुर थाना सरायमीर जनपद आजमगढ़ पंजीकृत हुआ था। जिसमें अभियुक्त फरार चल रहा था। सोमवार को व0उ0नि0उपेन्द्र कुमार मय हमराह द्वारा मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अभि0 शिवम पुत्र विजय कुमार निवासी ग्राम पुरन्दरपुर थाना सरायमीर जनपद आजमगढ हैदराबाद बाजार चौराहे में खड़े है के पास से समय करीब 7.30 बजे पुलिस हिरासत में व पीड़िता को बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का चालान न्यायालय भेजा गया।

राजकीय मेडिकल कॉलेज सोनभद्र में एम.बी.बी.एस. में छात्रा तनिष्का कुमारी का हुआ दाखिला

रेणुकोट , सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। सेण्ट ए० वी० आर .पब्लिक स्कूल की मेधावी छात्रा तनिष्का कुमारी ने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण के बल पर NEET परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय एवं परिवार का नाम गौरवान्वित किया है। तनिष्का के पिता मदन लाल स्टेशन मास्टर के पद पर कार्यरत हैं। विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि तनिष्का मेहनती, शांत स्वभाव की तथा नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित रहने वाली छात्रा रही है। उसने प्रारंभ से ही एम०बी०बी०एस० करने का लक्ष्य निर्धारित कर लिया था। विद्यालय के अतिरिक्त वह प्रतिदिन कम से कम आठ घंटे नियमित अध्ययन करती थी तथा रटने के बजाय विषयों की गहराई से समझ विकसित करने पर अधिक ध्यान देती थी। तनिष्का की इस उल्लेखनीय सफलता से विद्यालय परिवार में अत्यंत हर्ष और गर्व की लहर है। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकगण ने तनिष्का कुमारी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी हैं।

अब सिल्क सिटी में ही मिलेगा कोटा कोचिंग के एक्सपर्ट फैकल्टीज का मार्गदर्शन

भागलपुर। कॅरियर सिटी कोटा के सबसे बड़े एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट ने बिहार की राजधानी पटना में अपनी स्थापना के सफलतम एक वर्ष पूरा करने के साथ ही राज्य के एक और प्रमुख शहर सिल्क सिटी भागलपुर में सेवाओं के विस्तार की घोषणा की है। यह घोषणा मंगलवार को होटल वैभव में आयोजित उद्घाटन समारोह में की गई। देश में मेडिकल व इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं के साथ-साथ साइंस ओलंपियाड की तैयारियों के लिए ख्याति प्राप्त कोटा के एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट की भागलपुर में शुरूआत से स्थानीय अभिभावकों व विद्यार्थियों में उत्साह है। इस घोषणा के साथ ही एलन भागलपुर में वर्ष 2026-27 से मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी, इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई मेन- एडवांस्ड एवं कक्षा 6 से 10 (जूनियर डिवीजन) नेशनल व इंटरनेशनल ओलंपियाड कोर्सेज के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। कक्षाएं जनवरी माह से शुरू होंगी।

पति, सास, देवर और जेठ पर दहेज में पाँच लाख रुपये माँगने का आरोप, मुकदमा पंजीकृत

-दिनेश कुमार विश्वकर्मा

बरसठी,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना कोतवाली मछलीशहर क्षेत्र के अन्तर्गत बरसठी थाना क्षेत्र की निवासी एक महिला ने अपने पति, सास, देवर और जेठ पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट और घर से निकाल देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़िता सिमरन जायसवाल पुत्री अरविंद जायसवाल निवासी ग्राम बरसठी, थाना बरसठी, तहसील मड़ियाहूं, जनपद जौनपुर है। पीड़िता का विवाह दिनांक 17 अप्रैल 2022 को हिन्दू रीति-रिवाज से रवि जायसवाल पुत्र रामजी जायसवाल निवासी ग्राम राजमलपुर, थाना कोतवाली मछलीशहर, तहसील मछलीशहर, जिला जौनपुर के साथ हुआ था। शादी के कुछ महीनों बाद ही ससुराल पक्ष के लोग – पति रवि जायसवाल, सास सावित्री देवी, जेठ रविकुमार जायसवाल तथा देवर शुभम जायसवाल उर्फ मोनू – पीड़िता पर बार-बार दहेज में पाँच लाख रुपये नकद लाने का दबाव बनाने लगे। जब सिमरन ने यह राशि देने से मना किया तो ससुराल वाले उसे प्रताड़ित करने लगे। पीड़िता ने अपनी तहरीर में बताया कि जब उसने विरोध किया तो उसे बुरी तरह से पीटा गया, घर से निकाल दिया गया और कहा गया कि अब दोबारा इस घर में मत आना। घटना के बाद से वह अपने मायके में रह रही है। पीड़िता का आरोप है कि उसकी ससुराल में आये दिन झगड़े किए जाते थे और कई बार पंचायतें भी हो चुकी हैं, लेकिन ससुराल वाले अपनी हरकतों से बाज नहीं आए। अब उसने पुनः पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। इस संबंध में थाना कोतवाली मछलीशहर में दी गई तहरीर के आधार पर रवि जायसवाल पुत्र रामजी जायसवाल, सावित्री देवी पत्नी रामजी जायसवाल, रविकुमार जायसवाल पुत्र रामजी जायसवाल एवं शुभम जायसवाल उर्फ मोनू पुत्र रामजी जायसवाल के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

12अक्टूबर तक भरे जाएंगे इंटर मैट्रिक के परीक्षा फॉर्म, बिहार बोर्ड ने परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि बढ़ाई

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज बिहार बोर्ड ने मैट्रिक इंटरमीडिएट छात्र छात्राओं को एक और मौका देते हुए परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि बढ़ा दी है। बिहार बोर्ड की इंटरमीडिएट व मैट्रिक 2026 की परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र छात्राओं का आवेदन फॉर्म अब 12 अक्टूबर तक भरा जाएगा। पहले आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 5 अक्टूबर थी।

बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज गोरख सिंह इंटर कॉलेज के प्राचार्य मुरारी सिंह ने बताया कि बोर्ड ने सभी शिक्षा पदाधिकारी और कार्यक्रम पदाधिकारी को सूचना जारी की है। बोर्ड ने कहा है कि मैट्रिक के लिए समिति की वेबसाइट पर मूल पंजीयन कार्ड अपलोड करते हुए ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने की भी सुविधा उपलब्ध कराई ह है। इंटरमीडिएट के लिए समिति के पोर्टल पर मूल सूचीकरण प्रमाण पत्र अपलोड कर ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भर सकेंगे। बोर्ड ने कहा कि जिन विद्यार्थियों का आवेदन शुल्क जमा हो चुका है, लेकिन आवेदन फॉर्म नहीं भरा गया है, उनका भी इस अवधि में फॉर्म भरा जाएगा। जबकि अन्य जो आवेदन फॉर्म भरेंगे, उनका शुल्क 11 अक्टूबर तक ही जमा किया जाएगा। प्राचार्य ने कहा कि बोर्ड का आदेश है कि जिन विद्यार्थियों का हस्ताक्षरित घोषणायुक्त पंजीकरण कार्ड समिति के पोर्टल पर अपलोड नहीं होगा उन्हें आवेदन फॉर्म भरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। बोर्ड ने कहा है कि यदि किसी छात्र छात्रा का आवेदन शुल्क 11 अक्टूबर तक जमा हो गया, लेकिन आवेदन फॉर्म भरना किसी कारणवश छूट गया तो एक दिन यानी 12 अक्टूबर को फॉर्म भरने का मौका मिलेगा।

आइबिस होटल्स को भारत में सस्टेनेबिलिटी एक्सीलेंस के लिए ग्रीन की सर्टिफिकेशन से किया गया सम्मानित

मुंबई/ नई दिल्ली। आइबिस इंडिया ने सस्टेनेबिलिटी की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। दरअसल भारत में आइबिस के 22 होटलों को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त ग्रीन की सर्टिफिकेशन से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित इको-लेबल टूरिज्म इंडस्ट्री में पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी और टिकाऊ संचालन में उत्कृष्टता का सबसे बड़ा स्टैंडर्ड है।

सर्टिफाइड होटलों में आइबिस गुड़गांव गोल्फ कोर्स रोड, आइबिस पुणे विमान नगर, आइबिस बेंगलुरु होसुर रोड, आइबिस नवी मुंबई, आइबिस जयपुर सिटी सेंटर, आइबिस नई दिल्ली एरोसिटी, आइबिस बेंगलुरु सिटी सेंटर, आइबिस हैदराबाद हाईटेक सिटी, आइबिस स्टाइल्स गोवा कलंगुट, आइबिस कोच्चि सिटी सेंटर, आइबिस कोलकाता राजारहाट, आइबिस कोयंबटूर सिटी सेंटर, आइबिस पुणे हिंजेवाड़ी, आइबिस बेंगलुरु हेब्बल, आइबिस मुंबई विक्रोली, आइबिस थाने, आइबिस स्टाइल्स गोवा वागाटोर, आइबिस मुंबई बीकेसी, आइबिस मुंबई एयरपोर्ट, आइबिस नासिक, आइबिस चेन्नई सिटी सेंटर और आइबिस चेन्नई सिपकोट शामिल है। गौरतलब है कि आइबिस कोच्चि सिटी सेंटर केरल का पहला होटल है जिसे ग्रीन की सर्टिफिकेशन मिला है। यह आइबिस इंडिया की सस्टेनेबिलिटी यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

ग्रीन की सर्टिफिकेशन प्रत्येक होटल के पर्यावरण से संबंधित नियमों के सख्त पालन को दर्शाता है। जैसे कि होटल वेएस्ट मैनेजमेंट कैसे करते हैं, पानी कैसे कम उपयोग करते हैं, ऊर्जा कैसे बचाते हैं और सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल कितना कम करते हैं। कई होटलों में ऑन साइट बॉटलिंग प्लांट लगे हैं, एनर्जी सेविंग सुविधाएं हैं और भू-दृश्यांकन और फ्लशिंग के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स (एसटीपी) से पानी का उपचार और पुनः उपयोग करना आदि, ये सभी संसाधन खपत (रिसोर्स कंजम्पशन) में कमी और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में योगदान करते हैं। आइबिस आइबिस स्टाइल्स इंडिया के डॉयरेक्टर ऑफ ऑपरेशन्स तेजस जॉस ने कहा, के कई आइबिस लोकेशन को ग्रीन की सर्टिफिकेशन मिलना हमारी टीम के लिए बहुत ही बड़ा गर्व का पल है। सस्टेनेबिलिटी वन टाइम लक्ष्य नहीं होता है बल्कि यह अनवरत चलने वाली प्रक्रिया है। आइबिस में हम पर्यावरण से संबंधित फुटप्रिंट को कम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके अलावा हम समाज में जागरूकता और कम्युनिटी इंगेजमेंट के जरिए सकारात्मक सामाजिक प्रभाव स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य है कि निकट भविष्य में भारत में सभी आइबिस होटल के पास यह सर्टिफिकेट हो। आइबिस इंडिया स्टॉफ और मेहमानों के जरिए भी सस्टेनेबिलिटी को प्रोत्साहित करता है। इसके लिए 'इन रूम इन्फॉर्मेशन', ट्रेनिंग सेशन और जागरूकता बढ़ाने और पर्यावरण के प्रति जागरूक व्यवहार को प्रोत्साहित करने के लिए साइनेज लगाए जाते हैं। ये प्रयास न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देते हैं, बल्कि ऑपरेशनल एफिकेसी (परिचालन दक्षता) और मेहमानों के अनुभव को भी बेहतर बनाते हैं। ग्रीन की सर्टिफिकेशन एक साल के लिए मान्य होता है। इसमें नियमों का पालन हो रहा है कि नहीं, इसके लिए निरंतर नियमित ऑडिट भी होता है। यह मान्यता निरंतर सुधार के लिए आइबिस इंडिया की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। आइबिस भविष्य में भी रिन्यूएबल एनर्जी (नवीकरणीय ऊर्जा) के उपयोग को बढ़ावा, पानी की खपत में और कमी, तथा सभी होटलों में सिंगल यूज प्लास्टिक का पूरी तरह से रोक लगाकर पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करेगा।

एथर एनर्जी ने 5,00,000वीं इलेक्ट्रिक स्कूटर उत्पादन की उपलब्धि को पार किया

बेंगलुरु। भारत की अग्रणी इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निमार्ता, एथर एनर्जी लिमिटेड ने आज अपने होसुर, तमिलनाडु में स्थित विनिर्माण संयंत्र से अपना 5,00,000वां वाहन रोल-आउट करते हुए एक महत्वपूर्ण उत्पादन मील का पत्थर घोषित किया। यह मील का पत्थर वाहन एथर का प्रमुख फैमिली स्कूटर रिज्टा था, जो पिछले साल लॉन्च होने के बाद से तेजी से ब्रांड के लिए सबसे मजबूत विकास चालकों में से एक के रूप में उभरा है। इस उपलब्धि पर बोलते हुए, एथर एनर्जी के सह-संस्थापक और सीटीओ, स्वप्निल जैन ने कहा, 5,00,000 स्कूटरों को पार करना एथर के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। हमारे पहले प्रोटोटाइप से लेकर आज तक, हमारी यात्रा न केवल वाहन बनाने, बल्कि एक स्केलेबल, विश्वसनीय और सुसंगत विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के बारे में रही है।

ट्रैक्टर ट्राली ने बाइक सवारों को मारा टक्कर, भाई-बहन की मौत

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। राजधानी में मंगलवार की सुबह करीब 5 बजे भीषण हादसा हो गया। यहां ट्रैक्टर-ट्राली ने सामने से आ रहे बाइक सवारों को टक्कर मार दी। हादसे में भाई-बहन की मौत हो गई। घटना से घर में चीख पुकार मच गई। मौजूद लोग परेशान परिजनों को ढांढस बंधाते रहे। हादसा ठाकुरगंज क्षेत्र के रिंग रोड इलाके में हुआ। न्यू हैदरगंज निवासी श्वेता (23) तड़के के कैम्पवेल रोड पर टहलने गई थी। कुछ देर बाद भाई अतुल (21) उन्हें लेने पहुंचा। दोनों बाइक से लेकर घर लौट रहे थे। रास्ते में संजय होटल के पास ट्रैक्टर-ट्राली ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायल हो गए। उन्हें आनन-फानन अस्पताल ले जाया गया। वहां जांच के बाद डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि मूल रूप से मलिहाबाद इलाके के रहने वाले प्रापर्टी डीलर सतीश अपनी ससुराल न्यू हैदरगंज में ससुर ईश्वरदीन, पत्नी सुमन और बेटे अतुल व बेटी श्वेता के साथ रहते थे। श्वेता बी फार्मा की छात्रा थी। अतुल हाईस्कूल की पढ़ाई करने के बाद पिता के कारोबार में हाथ बंटाता था। बेटा-बेटी की मौत से परिवार के लोग टूट गए। बच्चों का नाम लेकर चीखते रहे। इंस्पेक्टर ओमवीर सिंह ने बताया कि ट्रैक्टर को कब्जे में लिया गया है। चालक की तलाश की जा रही है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी सद्भावना समाज भूषण पुरस्कार 2025 का भव्य आयोजन संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मैत्री संस्था एवं युवा सामाजिक प्रतिष्ठा के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी गौरवशाली जयंती के उपलक्ष्य में ₹राष्ट्रपिता महात्मा गांधी सद्भावना समाज भूषण पुरस्कार 2025₹ का भव्य आयोजन रविवार, 5 अक्टूबर को सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।

इस गरिमामय समारोह में किशोरी लाल बिंद को उनकी सामाजिक सेवा एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक, साहित्यिक, कला, क्रीड़ा, शैक्षणिक, सहकार, पत्रकारिता, उद्योग एवं राजकीय क्षेत्रों में विशेष योगदान देने वाले अनेक विशिष्ट जनों को भी सम्मानित किया गया। समारोह का उद्देश्य

गांधीजी के आदर्शों – सत्य, अहिंसा, सेवा और सद्भावना – को जन-जन तक पहुँचाना और समाज में सकारात्मक योगदान देने वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य अतिथि, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा प्रतिनिधि एवं नागरिकों की उपस्थिति रही। इस आयोजन ने महात्मा गांधी के विचारों को आधुनिक समाज में पुनः जीवंत करने का एक सशक्त संदेश दिया।

पूर्व सांसद लोकप्रिय नेता धनंजय सिंह से मुंबई प्रवास के दौरान स्नेहिल मुलाकात

मुंबई। जौनपुर के पूर्व सांसद, कार्यसम्राट एवं लोकप्रिय जननेता धनंजय सिंह तथा उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य बृजेश सिंह प्रिंशु से रविवार को मुंबई में विधायक राम कदम के निवास पर श्री रामलीला उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल और पत्रकार एवं विशेष कार्यकारी अधिकारी महाराष्ट्र शासन आदेश मिश्र ने सदीक्षा भेंटकर शाल पुष्पगुच्छ और संकल्प पत्रिका भेंटकर भव्य स्वागत किया। इसी कड़ी में विधायक राम कदम का भी स्वागत किया गया। गौरतलब है कि पूर्व सांसद धनंजय सिंह अपने सरल, मिलनसार स्वभाव और जनसेवा के प्रति समर्पण के लिए प्रसिद्ध हैं। वे सदैव जनता के सुख-दुख में सहभागी रहते हैं और गरीबों के सहायक एवं मसीहा के रूप में पहचाने जाते हैं। हर वर्ष वे अपने निजी संसाधनों से अनेक निर्धन कन्याओं का विवाह संपन्न कराते हैं तथा जरूरतमंदों को चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराते हैं। अपने कार्यकाल में धनंजय सिंह ने विधायक और सांसद रहते हुए उल्लेखनीय विकास कार्य किए। वर्तमान में उनकी धर्मपत्नी श्रीकला धनंजय सिंह, जौनपुर की जिला पंचायत अध्यक्ष के रूप में क्षेत्र के सर्वांगीण विकास हेतु निरंतर कार्यरत हैं, जनता के बीच यह धारणा प्रचलित है कि जहां विकास की चर्चा होती है, वहां धनंजय सिंह का नाम अवश्य लिया जाता है। इस अवसर पर ऑल इंडिया फिल्म फेडरेशन के अध्यक्ष अशोक दुबे, रामगंज के चेयरमैन राकेश सिंह और विपिन सिंह,बल्ले सिंह, कुंवर बहादुर सिंह, मनोज सिंह,अवधेश तिवारी, जयप्रकाश मिश्र, वकील यादव, सुधीर ढकोलिया, अशोक गुप्ता, दिनेश पांडेय विपिन सिंह सिप्पी सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे।